सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

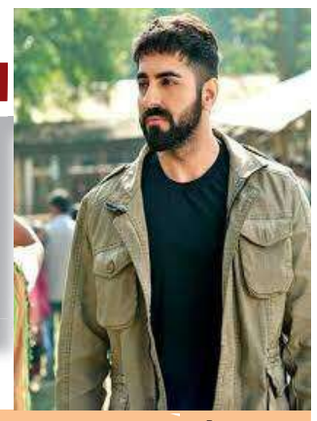

एशिया कपमें रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे -पेज: 7

आयुष्मान ने थामा को बताया खास फिल्म -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 175 | गुरुवार 02 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

वायनाड में मानव-वन्यजीव संघर्ष के लिए सहयोगात्मक समाधान की आवश्यकता: प्रियंका गांधी वाद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने वायनाड में मानव-वन्यजीव संघर्ष को मंगलवार को एक जटिल समस्या बताया, जिसके समाधान के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड स्थित मुथांगा वन्यजीव अभयारण्य का इस महीने की शुरूआत में किये गए अपने दौरे का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात पशु चिकित्सक डॉ. अरुण जकारिया से हुई, जिनका वन्यजीवन, वन और संबंधित मुद्दों पर ज्ञान अमूल्य है। प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा, उनका और वन अधिकारियों का अनुभव इस क्षेत्र में पशु-मानव संघर्ष को समझने और प्रबंधित करने में महत्वपूर्ण है। इस प्रयास का एक हिस्सा कुमकी हाथियों को प्रशिक्षित करना और उनका उपयोग करना है जो मानव बस्तियों में घुसने पर जंगली हाथियों को भगा देते हैं।

संघ ने कभी कटुता नहीं दिखाई, आरएसएस के कार्यक्रम में क्या-क्या बोले पीएम मोदी?

दौरान रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद आई है....

दिसंबर में पुतिन की यात्रा की खबर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 1 सितंबर को चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद आई है।

नई दिल्ली (एजेंसी): आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसके खिलाफ हुई साजिशों और हमलों को याद करते हुए राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका की तारीफ की। उन्होंने आरएसएस को अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार बताया, जो समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती रही है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विशेष सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। उन्होंने कहा कि यह पहला सिक्का है, जिसपर भारत माता की तस्वीर है। आरएसएस के खिलाफ साजिश नई दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस के 100 साल को राष्ट्र साधना का 100 साल बताया। उन्होंने बताया कि किस तरह से समय समय पर आरएसएस के खिलाफ साजिश रची गई, उसे कुचलने की कोशिश की गई। दांत को तोड़ा नहीं जाता महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ के खिलाफ रची गई साजिश की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरसंघचालक गुरू गोलवरकर को जेल में बंद किया गया। लेकिन इसके बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने किसी के प्रति मन में बैर भाव नहीं आने दिया। उन्होंने बताया किस तरह से जेल से छुटने के बाद गुरू गोलवरकर ने जीभ और दांत का उदाहरण देते हुए कहा था कि कभी-कभी दांत के बीच आकर जीभ कट भी जाती है, तो दांत को तोड़ा नहीं जाता है। गोलवरकर ने कहा था कि दांत भी मेरे हैं और जीभ भी मेरा है। हम समाज से अलग नहीं... प्रधानमंत्री के अनुसार स्वयंसेवक जानते हैं कि "हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है।" प्रधानमंत्री मोदी ने आजादी की लड़ाई में आरएसएस के योगदान पर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि अस्तित्व में आने के बाद से ही संघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी प्राथमिकता रही। उनके अनुसार आजादी की लड़ाई के समय डाक्टर हेडगेवार समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया और खुद हेडगेवार कई बार जेल गए। इसके साथ ही संघ आजादी की लड़ाई दौरान कई स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहा और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा।आपातकाल के दौरान किया संघर्ष संवैधानिक संस्थाओं के प्रति स्वयंसेवकों की अटूट आस्था का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि आपातकाल के दौरान देश में लोकतंत्र को बचाये रखने के लिए संघर्ष किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और हजारों सालों से हाशिये पर रह रहे समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध व स्वाभिमान जगाने में भी आरएसएस की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संघ दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है। भेदभाव बड़ी चुनौती इस सिलसिले में उन्होंने सेवा भारती, विद्या भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम जैसी संघ के जुड़ी संस्थाओं का आदिवासी समाज के सशक्तिकरण के किए गए कार्यों का उल्लेख किया। इसी तरह से सामाजिक भेदभाव और ऊंच-नीच की कुप्रथा को हिंदू समाज की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि हेडगेवार से लेकर अभी तक सभी सरसंघचालक ने इसे दूर करने का प्रयास किया है। उनके अनुसार बाला साहब देवरस ने तो यहां तक कहा था कि "छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं!" वर्तमान सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी समरसता के लिए

उत्तराखंड के सुदूर इलाकों को मिली 'उड़ान' की सौगात, सीएम धामी ने किया उद्घाटन

उत्तराखंड (एजेंसी): उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास से क्षेत्रीय संपर्क योजना (उड़ान) के अंतर्गत पिथौरागढ़-मुनस्यारी-पिथौरागढ़ और हल्द्वानी-अल्मोड़ा-हल्द्वानी मार्गों पर हवाई सेवाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, सीएम धामी ने कहा कि इन हवाई सेवाओं के शुरू होने से राज्य के दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए परिवहन में काफी सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्मोड़ा और मुनस्यारी उत्तराखंड के प्राचीन शहरों में से हैं और इनका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है। बयान में कहा गया है कि अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक मंदिरों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध ये शहर देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। हेलीकॉप्टर सेवाओं के शुरू होने से अब पर्यटक अल्मोड़ा और मुनस्यारी तक और भी आसानी से पहुँच सकेंगे। बयान में बताया गया है कि हल्द्वानी और अल्मोड़ा के बीच यात्रा का समय 3-4 घंटे से घटकर कुछ ही मिनट रह जाएगा। इन सेवाओं से दोनों क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलने और आर्थिक विकास में तेजी आने की उम्मीद है। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूरदर्शी उड़ान योजना शुरू की, जिसने पूरे देश में हवाई संपर्क को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। इस योजना के तहत राज्य के विभिन्न हिस्सों में हवाई पट्टियाँ और हेलीपोर्ट विकसित किए गए हैं। बयान में कहा गया है, "उत्तराखंड के 18 हेलीपोर्ट्स से हेलीकॉप्टर सेवाएं संचालित करने का काम चल रहा है, जिनमें से 12 हेलीपोर्ट्स पर सेवाएं सफलतापूर्वक शुरू हो चुकी हैं।" हेलीकॉप्टर सेवाओं ने गौचर, जोशियाड़ा, हल्द्वानी, मुनस्यारी, मसूरी, पिथौरागढ़, पंतनगर, चंपावत, बागेश्वर, नैनीताल और अल्मोड़ा जैसे प्रमुख स्थानों को जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में इन सेवाओं के माध्यम से और भी महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ा जाएगा। बयान में कहा गया है कि राज्य के भीतर हवाई संपर्क को मजबूत करने के साथ-साथ, उत्तराखंड को एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय उड़ान संचालन का विस्तार करने के प्रयास किए

क्या चिदंबरम कर रहे राहुल गांधी को कमजोर? 26/11 बयान पर कांग्रेस में मचा घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी): वरिष्ठ कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने बुधवार को पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम द्वारा 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के संबंध में किए गए हालिया खुलासे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनके बयान के समय और मंशा पर सवाल उठाए। चिदंबरम ने हाल ही में एक बयान में खुलासा किया है कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद वह पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के पक्ष में थे, लेकिन अंततः उन्हें ऐसा करने से मना लिया गया। पूर्व गृह मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राशिद अल्वी ने कहा कि चिदंबरम 15 से 18 साल तक चुप क्यों रहे? अगर वह इतने असंतुष्ट थे, तो उन्हें उसी समय इस्तीफा दे देना चाहिए था। अब ऐसे बयान देने की क्या मजबूरी है? क्या वह राहुल गांधी का हाथ कमजोर करना चाहते हैं? अल्वी ने आगे बताया कि राहुल गांधी लगातार मौजूदा भाजपा सरकार पर टूंप प्रशासन के प्रभाव में काम करने और वाशिंगटन का मुकाबला करने का साहस न दिखाने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा, "ऐसे समय में, कांग्रेस में रहते हुए इस तरह के बयान देना एक गलत कदम है।" पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किए गए मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों में 170 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी और पूरा देश सदमे में था। चिदंबरम के इस खुलासे ने एक नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है, जिसमें आलोचक कांग्रेस नेतृत्व के पिछले फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं। एबीपी न्यूज पॉडकास्ट पर बोलते हुए, चिदंबरम ने सरकार के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया और कैसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका के दबाव ने भारत के रुख को आकार दिया, इसका ज़िक्र किया। चिदंबरम ने याद किया कि उन्होंने 30 नवंबर, 2008 को गृह मंत्री का कार्यभार संभाला था, हमलों के एक दिन बाद और शिवराज पाटिल के इस्तीफे के तुरंत बाद। चिदंबरम ने इनसाइड आउट पॉडकास्ट पर कहा मैं हमले के अगले दिन गृह मंत्री बना। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मुझे वित्त मंत्रालय से गृह मंत्रालय में स्थानांतरित करने के लिए बुलाया।

राजनाथ सिंह बोले- रक्षा विभाग ने सुनिश्चित की सैन्य शक्ति की वित्तीय रीढ़, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वित्तीय लचीलापन सुनिश्चित करने, संसाधनों का अनुकूलन करने और परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की सराहना की और इसे भारत के सशस्त्र बलों की मौन लेकिन महत्वपूर्ण रीढ़ बताया। सिंह ने नई दिल्ली में विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जबकि पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करने में सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को देखा, डीएडी की मौन लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की। राजनाथ ने रक्षा विभाग को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को समय पर संसाधन उपलब्ध कराकर परिचालन तत्परता को भी मजबूत करती है। उन्होंने रेखांकित किया कि रक्षा विभाग केवल एक लेखा संगठन नहीं है; यह एक ऐसा प्रवर्तक है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह एक अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों की वीरता के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान निहित है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि "किसी राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मजबूती में झलकती है" और बजट के कुशल उपयोग के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक, पूंजीगत बजट व्यय का 50 प्रतिशत पहले ही बुक किया जा चुका था, और पिछले वित्तीय वर्ष में 100 प्रतिशत उपयोग हासिल करने के लिए रक्षा विभाग की प्रशंसा की। सिंह ने डिजिटल इंडिया के तहत तकनीक को अपनाने के लिए रक्षा विभाग की सराहना की और ई-रक्षा आवास, निधि 2.0, ट्यूलिप 2.0 और एआई चैटबॉट 'ज्ञान साथी' जैसी पहलों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, "ये प्रगतिशील सुधार दक्षता और पारदर्शिता के लिए

जनसांख्यिकीय बदलाव से लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव पर संकट: पीएम मोदी की बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत की विविधता में एकता घुसपैठियों के कारण खतरे में है, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे सामाजिक सद्भाव और आंतरिक सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की अपनी घोषणा को भी याद किया। राष्ट्रीय राजधानी में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विविधता में एकता हमेशा से भारत की आत्मा रही है। अगर यह ताकत टूट गई, तो भारत कमजोर हो जाएगा... सामाजिक सद्भाव घुसपैठियों के कारण एक बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जिससे जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहा है। मोदी ने कहा कि यह प्रश्न हमारी आंतरिक सुरक्षा और भविष्य से संबंधित है। इसीलिए मैंने लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा की। हमें सतर्क रहने और इस चुनौती से लड़ने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 100 साल पहले विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना कोई संयोग नहीं था। उन्होंने इस त्योहार के बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की जीत के प्रतीकवाद पर प्रकाश डाला। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कल विजयादशमी है, यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत, अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है... 100 साल पहले इसी महान दिन एक संगठन के रूप में आरएसएस की स्थापना कोई संयोग नहीं था। उन्होंने आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसे महान अवसर का साक्षी बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। आज के इस अवसर पर, मैं राष्ट्रसेवा में समर्पित लाखों स्वयंसेवकों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ। संघ के संस्थापक, हमारे पूज्य आदर्श, परम पूज्य डॉ. हेडगेवार जी के चरणों में मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में नागपुर, महाराष्ट्र में स्थापित, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना एक स्वयंसेवक-आधारित संगठन के रूप में की गई थी जिसका लक्ष्य नागरिकों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना था।

महबूबा मुफ्ती ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, बोलीं- कश्मीरियों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान पर खड़े होने को किया जा रहा मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कश्मीर में लोगों को जबरन राष्ट्रगान के लिए खड़ा करवा रही है। उन्होंने दावा किया कि श्रीनगर में राष्ट्रगान के दौरान खड़े न होने पर 15 युवकों को हिरासत में लिया गया है।

महबूबा ने कहा, कि कश्मीर में लोगों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए मजबूर किया जा रहा है। जब मैं छात्रा थी, तो हम अपनी इच्छा से राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े होते थे। लेकिन अब यह दबाव डालकर करवाया जा रहा है। यह सरकार की विफलता है। दरअसल, 30 सितंबर की शाम श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल मैदान में राष्ट्रगान का आयोजन हुआ था। इस दौरान 15 युवक खड़े नहीं हुए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। इस कार्रवाई की महबूबा मुफ्ती ने कड़ी आलोचना की है।

खेल मैदानों को लेकर भी जताई नाराजगी

महबूबा ने बुधवार को मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट स्कूल के मैदान का दौरा किया और आरोप लगाया कि पुलिस इस मैदान पर शहीद स्मारक बनाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, यह कदम युवाओं से खेल का मैदान छीनने जैसा है। हमारे खेल के मैदान धीरे-धीरे गायब किए जा रहे हैं। मैं डीजीपी से अपील करती हूं कि इस मैदान को बचाया जाए। इसके अलावा उन्होंने चट्टाबल इलाके के डेयरी फार्म मैदान का भी दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि यह मैदान दशकों से खेलों के लिए इस्तेमाल होता रहा है और स्थानीय लोग इसे बचाने की मांग कर रहे हैं। मुफ्ती ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा की नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता की सराहना की थी, ऐसे में सेना को भी चाहिए कि यह मैदान युवाओं से न छीना जाए।

महबूबा मुफ्ती ने चेतावनी दी कि अगर युवाओं से खेल और सार्वजनिक स्थान छीने गए, तो असंतोष और बढ़ेगा। उन्होंने कहा, पुलिस हमारी रक्षक है। शहीदों का स्मारक कहीं और भी बनाया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में ऐसी जगहों की कोई कमी नहीं है।

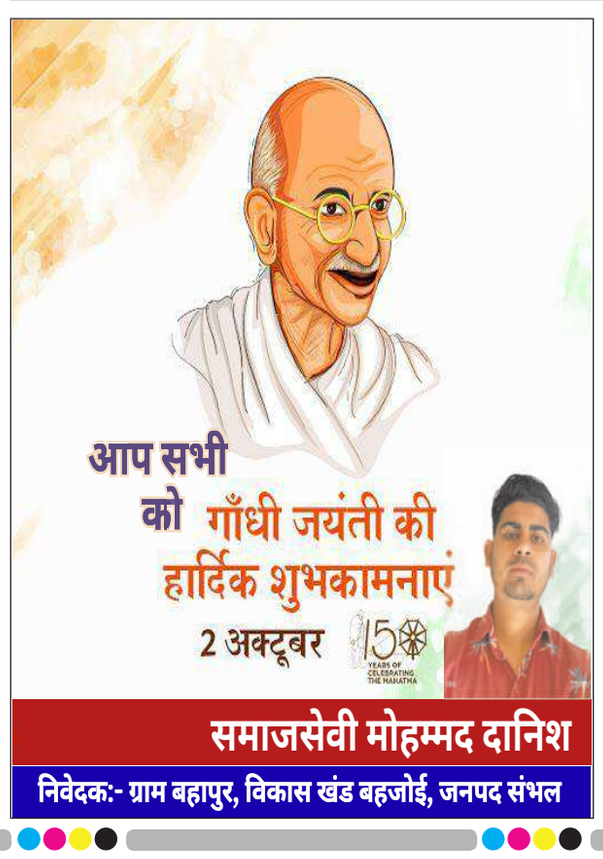

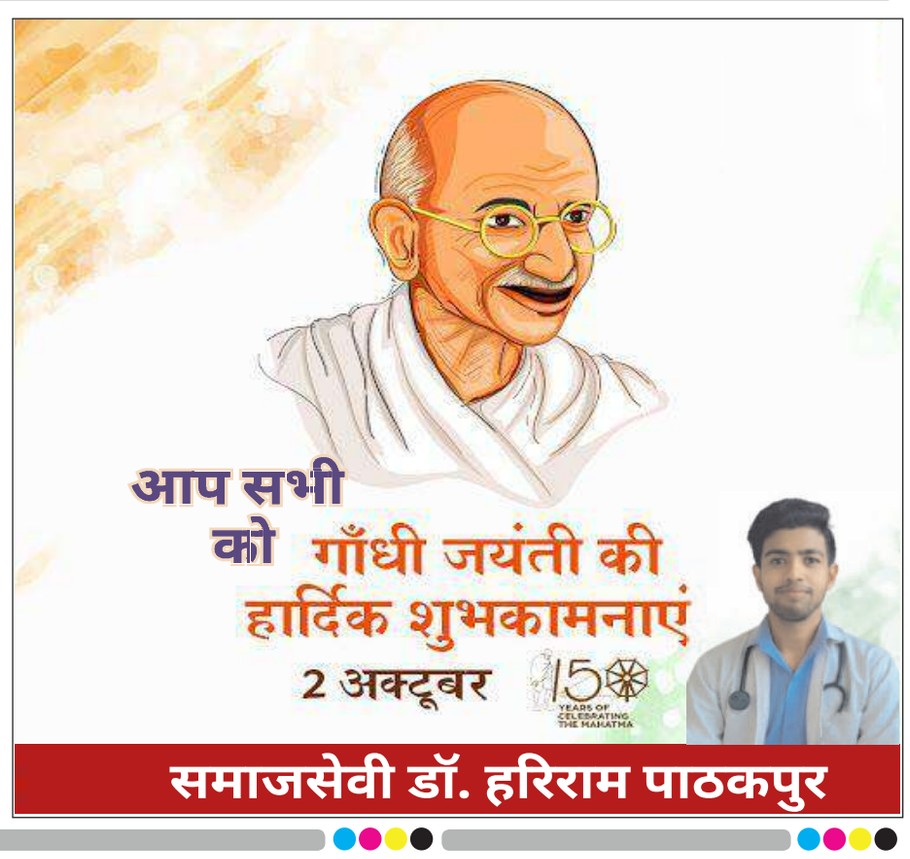

संपादकीय

मौत या हत्या

तमिलनाडु. के करूर जिले में एक रैली में भगदड़. मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़. में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़. बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़. मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़. के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़. हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़. के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़. ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड़ को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ. गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गइ्र। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़. में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिएएसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़. न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया? राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़. बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़. के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचायरें की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

दशहराः विविधताओं में एकता का सांस्कृतिक उत्सव

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुगुर्णों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को ह्यविजयादशमीह्न कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें ह्यज्वारेह्न कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दशार्ता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम्‍ था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-'आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते'-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी।

राष्ट्र साधना के 100 वर्ष

100 वर्ष पूर्व विजयदशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था,जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्श...परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण,महिला सशक्तिकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है....राष्ट्र प्रथम

अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इस चलने के लिए जो कार्यपद्धति चुनी वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम्‍ से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएंङ्कव्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

संघ जब से अस्तित्व में आयाङ्कसंघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आजादी की लड़ाई के समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहाङ्कउनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते है, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा हैङ्कसमाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है।

प्रारंभ से संघङ्क राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना...ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं।

अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगायाङ्कस्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है..जो दुर्गम हैंङ्कजहाँ पहुँचना सबसे कठिन है। संघ...दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है...अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती...विद्या भारती, एकल विद्यालय...वनवासी कल्याण आश्रम...आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

समाज में सदियों से घर कर चुकी जो बीमारियाँ हैं, जो ऊंच-नीच की भावना है, जो कुप्रथाएं हैं, ये हिन्दू समाज की बहुत बड़ी चुनौती रही हैं। ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर ह्लन हिन्दू पतितो भवेत्ह्न की भावना को आगे बढ़ाया। पूज्य बाला साहब देवरस जी कहते थे- छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं! सरसंघचालक रहते हुए पूज्य रज्जू भैया जी और पूज्य सुदर्शन जी ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया। वर्तमान सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी ने भी समरसता के लिए समाज के सामने एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान का स्पष्ट लक्ष्य रखा है।

जब 100 साल पहले संघ अस्तित्व में आया था तो उस समय की आवश्यकताएं, उस समय के संघर्ष कुछ और थे। लेकिन आज 100 वर्षों बाद जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तब आज के समय की चुनौतियां अलग हैं, संघर्ष अलग हैं। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, हमारी एकता को तोड़ने की साजिशें, डेमोग्राफी में बदलाव के षड़यंत्र, हमारी सरकार इन चुनौतियों से तेजी से निपट रही है। मुझे ये खुशी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है।

संघ के पंच परिवर्तन, स्व बोध, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार और पर्यावरण ये संकल्प हर स्वयंसेवक के लिए देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को परास्त करने की बहुत बड़ी प्रेरणा हैं।

स्व बोध की भावना का उद्देश्य गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर अपनी विरासत पर गर्व और स्वदेशी के मूल संकल्प को आगे बढ़ाना है। सामाजिक समरसता के जरिए वंचित को वरीयता देकर सामाजिक न्याय की स्थापना का प्रण है। आज हमारी सामाजिक समरसता को घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी में आ रहे बदलाव से भी बड़ी चुनौती मिल रही है। देश ने भी इससे निपटने के लिए डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। हमें कुटुम्ब प्रबोधन यानी परिवार संस्कृति और मूल्यों को भी मजबूत बनाना है। नागरिक शिष्टाचार के जरिए नागरिक कर्तव्य का बोध हर देशवासी में भरना है। इन सबके साथ अपने पर्यावरण की रक्षा करते हुये आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

अपने इन संकल्पों को लेकर संघ अब अगली शताब्दी की यात्रा शुरू कर रहा है। 2047 के विकसित भारत में संघ का हर योगदान, देश की ऊर्जा बढ़ाएगा, देश को प्रेरित करेगा। पुनः प्रत्येक स्वयंसेवक को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। *(आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र साधना के 100 वर्ष शीर्षक से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित आलेख)*

राष्ट्र की मंगल कामना के साथ यज्ञ में डाली आहुतियां

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में नवरात्रि के समापन के अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन कार्यकताओं ने संगठन संस्थापक सदस्य रूपचंद चौहान के आवास पर देवी पूजा के बाद राष्ट्र की मंगल कामना के साथ यज्ञ का आयोजन किया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन एवं भाजपा हसनपुर विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि नवरात्रि प्रारंभ होने से पहले जीवनोपयोगी वस्तुओं पर जी एस टी की दरों में कमी करके प्रधान मंत्री ने देशवासियों को खुशहाली का तोहफा दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद से बौखलाए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय उत्पादों पर डबल टैक्स लगाने से देश के प्रति उनकी दुर्भावनाएं उजागर हुई हैं। ऐसे में प्रत्येक भारत वासी का यह कर्तव्य है कि जीवन में स्वदेश निर्मित वस्तुओं के प्रयोग का संकल्प लें। जिससे भारत में निर्मित वस्तुओं को अमेरिका जैसे दुर्भावना युक्त देशों में नहीं भेजना पड़े। साथ ही विदेश निर्मित वस्तुओं के खरीदने से वहां पर जाने वाली देश की मुद्रा पर अंकुश लगाया जा सके। इस अवसर पर रूप चंद्र चौहान,महिपाल सिंह चौहान, थल प्रकाश, चेतन्य प्रकाश, दिव्य प्रकाश, सुधांशु, लवकेश, गनपत सिंह, सुरेन्द्र सिंह, खड़क सिंह आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना नौगावां सादात परिसर में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण

अमरोहा(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना नौगावां सादात परिसर में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया गया एवं "मिशन शक्ति फेज-5" अभियान के अन्तर्गत केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं, रजिस्टरों एवं शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया का गहन परीक्षण किया गया तथा यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी महिला/बालिका द्वारा प्राप्त शिकायत का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए। पुलिस अधीक्षक द्वारा मिशन शक्ति केन्द्र पर कार्य कर रहे अधिकारी/कर्मचारीयो को निर्देशित किया कि मिशन शक्ति केन्द्रों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। आने वाली प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों, कॉलेजों एवं बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त की जाए। महिलाओं की सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबर -महिला हेल्पलाइन - 1090,आपातकालीन सेवा -112,बाल हेल्पलाइन - 1098 के प्रति जागरूक किया जाये ।

राज्यमंत्री केपी मलिक ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

जनपद के विकास को गति देते हुए जनपद को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की साथ की चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक जनपद भ्रमण के दौरान बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीयों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यमंत्री के0पी0 मालिक ने कलेक्ट्रेट में बैठक कर विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जनपद के विकास को गति देते हुए जनपद को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद उपस्थित रहे। बैठक में राज्यमंत्री ने जिले में चल रही विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़े प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता एवं तत्परता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता सरकार की प्राथमिकता है, इसका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। राज्यमंत्री केपी मलिक ने जिले के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास एवं निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति दी जाए, ताकि योजनाओं का लाभ आमजन तक समयबद्ध ढंग से पहुँच सके। सरकार की प्राथमिकता जनता के हित से जुड़े कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयसीमा के भीतर पूरा कराना है।

जनसुनवाई की नई उम्मीद: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स का सक्रिय भूमिका

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के सख्त निदेर्शों के अनुपालन में अमरोहा जिले में जनता की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने वाली जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपनी सक्रियता से प्रशासनिक व्यवस्था में नई जान फूंक दी है। 2015 बैच की आईएएस अधिकारी निधि गुप्ता वत्स, जो पहले बरेली में नगर आयुक्त के पद थी। इसके बाद शासन के निर्देश पर उन्हें जिलाधिकारी के रूप में अमरोहा जिले में पहली तैनाती मिली हैं,जिसके बाद जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनता दर्शन को अपनी प्राथमिकता बनाया है। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही स्पष्ट किया कि जनता की फरियादों को सुनना और उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना उनकी शीर्ष प्राथमिकता रहेगी। जिलाधिकारी वत्स ने कहा, "सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना और जन शिकायतों का तत्काल समाधान हमारा ध्येय है। अमरोहा को एक आदर्श जिला बनाने के लिए सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।" उनके नेतृत्व में अमरोहा कलेक्ट्रेट में प्रतिदिन जनसुनवाई आयोजित हो रही है, जहां फरियादियों की समस्याओं को गहनता से सुना जाता है। विशेष रूप से राजस्व विभाग के मामलों में जिलाधिकारी ने कई लंबित विवादों का निपटारा किया है। इसी के साथ थाना समाधान दिवस पर जिलाधिकारी स्वयं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के साथ फरियादियों की शिकायतें सुनती हैं। हालांकि फरियादियों का कहना है कि"पहले शिकायतें दब जाती थीं, लेकिन अब डीएम साहिबा व्यक्तिगत रूप से सुनती हैं, समस्या हल हो जाती है।"निधि गुप्ता वत्स का सफर प्रेरणादायक है। जिलाधिकारी वत्स ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन की प्राथमिकताएं जिला स्तर पर लागू हों। आने वाले दिनों में अमरोहा में विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

द आर्यस स्कूल में दशहरा उत्सव की धूम के साथ हुआ रावण दहन

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद अमरोहा के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यस, जोया में असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा उत्सव मंगलवार को धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यालय की ओर से विशालकाय रावण और आतिशबाजी की व्यवस्था की गई,और विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्ट और गौरव चौधरी व प्रधानाचार्य आदेश सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से रावण दहन किया गया। इस मौके पर सभी छात्र- छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में एकत्रित होकर,कार्यक्रम को देखा एवं बुराई पर अच्छाई की जीत दिलाने वाले इस पर्व पर अच्छाई को अपनाने का प्रण लिया तथा संपूर्ण वातावरण दशहरा और आतिशबाजी से गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बुराई पर अच्छाई की जीत के त्यौहार दशहरा को मनाए जाने के कारण एवं महत्व को विस्तार से समझाते हुए कहा कि हमें सदा अच्छाई के मार्ग पर चलना चाहिए एवं किसी के साथ बुरा नहीं करना चाहिए। विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह व अनिल कुमार सिंह ने कहा कि यह आयोजन छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति के महत्व के साथ परिपक्व नागरिक बनाने के उद्देश्य से किया गया ' विद्यालय निदेशक अमन लिट्ट तथा गौरव चौधरी ने कहा कि हमें मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्शों पर चलकर अपने परिवार को एकता के सूत्र में बांधना चाहिए और अहंकार रूपी बुराई का अंत कर स्वच्छ समाज का निर्माण करने में योगदान दें इसी के साथ सभी को नवरात्रि और दशहरे की शुभकामनाएं दीं ' इस आयोजन में संतोष कुमार, अंजना और जागृति कौशिक का विशेष योगदान रहा ' इस दौरान अजीत सिंह, ममता, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, सचिन शर्मा, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, पूजा, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, रमनबाला, शैलजा चौधरी, आकाश शर्मा, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, अदिति, अनुज, सुमित कुमार, अश्विनी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, रचना, हुमा बेबी आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे '

मिशन शक्ति 5.0: महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है : पारुल सिसोदिया

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण (फेज-5.0) को अमरोहा जिले में व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया के सख्त निदेर्शों के अनुपालन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर लिंग आधारित हिंसा को रोकना और महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। इस चरण में विशेष रूप से 'सेवा पखवाड़ा' को शामिल किया गया है, जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर सभाओं का आयोजन हो रहा है। पारुल सिसोदिया ने बताया कि जिले में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पॉस्को एक्ट, घरेलू हिंसा निवारण अधिनियम और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेष व्याख्यान दिए जा रहे हैं। साथ ही, महिलाओं को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन और लघु उद्यमिता विकास योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। पारुल सिसोदिया ने कहा, "मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन की क्रांति है। हमारा लक्ष्य है कि हर ग्रामीण महिला जागरूक और सशक्त बने, ताकि वह परिवार और समाज की रीढ़ बने।" जिला प्रशासन ने वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 को सक्रिय रखा है, जहां शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। यह अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दृष्टि का हिस्सा है, जो महिलाओं को मुख्यधारा में लाने पर जोर देता है। अमरोहा जैसे ग्रामीण जिले में, जहां साक्षरता दर कम है, ऐसे कार्यक्रम महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। महिलाओं ने इसे सराहते हुए कहा कि यह उनके लिए नई उम्मीद की किरण है। मिशन शक्ति 5.0 न केवल जागरूकता फैला रहा है, बल्कि ग्रामीण भारत को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

रजा पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं ने किया पौधारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के धनौरा मुरादनगर स्थित रजा पब्लिक स्कूल में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य राजीव कुमार सागर ने छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पेड़-पौधे लगाए। यह कार्यक्रम स्कूल प्रबंधक मोहम्मद इमरान सिद्दीकी के निर्देशन में आयोजित किया गया, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और स्वच्छता को बढ़ावा देने का संदेश दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नीम, पीपल, बरगद और अन्य छायादार व फलदार पेड़ लगाए। इस दौरान स्कूल प्रबंधक ने बच्चों को पर्यावरण के महत्व को समझाया और प्लास्टिक के दुरुपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे प्लास्टिक का उपयोग कम करें और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें। साथ ही, उन्होंने स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया। प्रधानाचार्य राजीव कुमार सागर ने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को संतुलित रखता है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर जीवन सुनिश्चित करता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में भी पेड़ लगाएं और उनकी देखभाल करें। इस अवसर पर ग्राम प्रधान फिरोज खान, पूर्व प्रधान इसरार अहमद,पूर्व प्रधान अख्तर अली,हरीश सैनी अली अहमद, स्कूल के शिक्षक और कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों के साथ मिलकर इस नेक कार्य में योगदान दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस तरह के आयोजनों से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है, बल्कि युवा पीढ़ी में जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव भी जागृत होता है।

नारी शक्ति आजीविका मिशन महिला संकुल स्तरीय समिति की महिलाओ ने किया सभा का आयोजन

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को विकास खंड के संस्कार वाटिका बैंक्विट हॉल हसनपुर रोड अतरासी कला में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित नारी शक्ति आजीविका महिला महिला संकुल स्तरीय समिति अतरासी की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत लोकचंद, खंड विकास अधिकारी जोया एवं यू के प्रजापति एलडीएम अमरोहा द्वारा संयुक्त फीता काटकर एवं मां सरस्वती के सम्मुख दीपोत्सव करके की गयी। कार्यक्रम का संचालन अश्विनी कुमार, ब्लॉक मिशन प्रबंधक द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियों ने अपना-अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उत्कृष्ट कैडर के रूप में अफसाना बानो ग्राम करौंदी एवं सुमन ग्राम पंचायत रायपुर शहजादपुर से समूह सखी के रूप में ऐसे ही अजीब का संबंध में उत्कर्ष कार्य करने वाली दीदियों में कौशल्या मसाला पैकिंग मंजू ग्राम जमापुर से मावा एवं पनीर बनाना। के उत्कर्ष कार्य किया जा रहे हैं राशीदा की सफलता की कहानी सुनकर सभी ने सराहना की इस बैठक में कलस्टर की आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। साथ ही अग्रिम कार्यों एवं आय व्यय की बढ़ोतरी हेतु प्रेरित किया गया। लोकचंद, खंड विकास अधिकारी जोया ने बताया कि आप ग्राम संगठन एवं सीएलएफ स्तर पर मिलकर आजीविका बढ़ाने हेतु बड़े कार्य प्रारंभ करें। उसके लिए आपके पास ग्राम संगठन स्तर एवं सीएलएफ स्तर पर धनराशि उपलब्ध है। इससे आपको आमदनी भी अधिक होगी। और अपनी मार्केटिंग के लिए बाइक चलाने वाली महिलाएं तैयार करें प्रति क्लस्टर उत्पाद बिक्री के लिए आउटलेट तैयार करें मिलकर वाहन खरीदें स्कूलों से संपर्क कर चलवाएं कार्यक्रम उपस्थित यू के प्रजापति एलडीएम साहब ने कहा कि समूह एक छोटा बैंक है। जितेन्द्र कुमार, सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) द्वारा बताया गया कि आप अपने कार्यों की आजीविका बढ़ाने से संबंधित कार्य पूरी लगन और निष्ठा के साथ कार्य करें। इससे आपकी आय में नियमित रूप से वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि समूह की दीदी सीआईएफ की धनराशि एवं सीसीएल की धनराशि से गाय पालन, भैंस पालन, बकरी पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, डेरी कार्य, ठेके पर खेती, फूलों की खेती, फलों की खेती, मशरूम की खेती, पैन्ट का कार्य, परचून दुकान, हलवाई की दुकान, ब्यूटी पार्लर, सिलाई एवं कढ़ाई कार्य करके अपनी आजीविका को बढ़ायें। इससे समाज में उनका सम्मान बढ़ेगा और जीवन स्तर में भी सुधार होगा। इसके तत्पश्चात उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदियों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा सिंह ब्लॉक मिशन प्रबंधक व रीमा देवी, ब्लॉक मिशन प्रबंधक समस्त ग्राम संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकारणी समिति के सदस्य और विभिन्न कैडरों की दीदियां उपस्थित रहीं।

गजरौला हसनपुर मार्ग पर दो बाईकों की टक्कर में एक की मौत,एक बाइक सवार को किया हायर सेंटर रेफर

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गजरौला हसनपुर मार्ग पर दो बाइकों की आपस में टक्कर हो गई जिसमें एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई एवं दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको आनन-फानन में बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बाइक सवार युवक की मौत से परिवार में हाहाकार मच गया, वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि पूरा मामला गजरौला हसनपुर मार्ग पर मनौटा पुल और दीपपुर गेट के समीप का है जहां दो बाईकों में हुई भयानक टक्कर हो गई जिसमें एक बाइक सवार (25) वर्षीय रोहित पुत्र होशियार सिंह निवासी शेरगढ़ की मौके मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि मृतक रोहित बीएससी का छात्र था। मौत की घटना की खबर सुनते ही चारों तरफ हाहाकार मच गया और मातम पसर गया। रोहित अपने पिता को सिहाली जागीर छोड़कर हसनपुर कोचिंग के लिए आ रहा था तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार दूसरी बाइक से उसकी भयानक टक्कर हो गई, दूसरा बाइक सवार सलमान पुत्र दिलशाद निवासी धनारी पट्टी जनपद संभल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल ही हायर सेंटर के लिए रेफर भेज दिया गया। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने कहा की परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत छात्राओं ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व व कृतित्व के अनछुए पहलुओं को जाना गया। आपको बता दें कि सेवा पखवाड़े के तहत राजकीय मिनी स्टेडियम में चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के बचपन से लेकर अब तक के जीवन संघर्षों व उपलब्धियों के साथ ही केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। डीआईओ मो. दानिश ने प्रदर्शनी को युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि विषम परिस्थियों से उबरकर हम कैसे शून्य से शिखर पर पहुँच सकते हैं हमारे प्रधानमंत्री इसका जीवंत उदाहरण हैं।

महिलाओं और बालिकाओं के लिए पुलिस का जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत जनपद सम्भल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनपद के सभी थानों की महिला पुलिसकर्मियों ने अपने क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर बालिकाओं को जागरूक किया और महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण पर चर्चा की। अभियान के तहत प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, और वन स्टॉप सेंटर की जानकारी पंपलेट बांटकर दी गई। साथ ही, पुलिस हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की गई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का लक्ष्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। यह अभियान महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जस्ट राइट्स फाउंडेशन ने लगाया बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

सम्भल(सब का सपना):- जस्ट राइट्स फाउंडेशन की तरफ से बुधवार को सम्भल के मिठौली गांव में बालिकाओं एवं महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए एक व्यापक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल के तहत बालिकाओं स्वास्थ्य को पोषण संबंधी सलाह, और स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय की युवा पीढ़ी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। शिविर का शुभारंभ संस्था के निदेशक गौरीशंकर चौधरी ने किया, जिन्होंने बालिकाओं को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का महत्व बताया। ग्राम प्रधान रईस अहमद ने इस अवसर पर कहा कि स्वस्थ बालिकाएं ही परिवार और समाज की नींव मजबूत कर सकती हैं बालिकाओं को नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, और व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे बुनियादी पहलुओं पर ध्यान देने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने माता-पिता से भी अपील की कि वे अपनी बेटियों के स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता दें। जस्ट राइट्स फाउंडेशन ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि बालिकाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण में योगदान दिया जा सके। स्थानीय निवासियों और अभिभावकों ने इस प्रयास को सम्भल जैसे क्षेत्रों में एक सकारात्मक बदलाव की शुरूआत बताया, जो न केवल स्वास्थ्य सुधार में सहायक होगा, बल्कि बालिकाओं के आत्मविश्वास को भी बढ़ाएगा। इस अवसर पर सिराज अहमद फील्ड कोर्डिनेटर साहित तमाम महिला एवं बच्चियां मौजूद रहे।

महिलाओं के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिये केंद्र एवं प्रदेश की सरकार संकल्पित-सांसद

संवाददाता

संवाददाता कुशीनगर। स्वशासी मेडिकल कालेज के परिसर में बुधवार को जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर मुख्यविकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में ब्लड डोनेशन कैम्प का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर किया गया ततपश्चात स्वास्थ्य शिविर में लगे स्टालों का निरीक्षण सांसद,डीएम,सीडीओ द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि सांसद विजय कुमार दुबे ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की सरकार महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिये संकल्पित है। उन्होंने विपक्ष के नेताओ पर कटाक्ष करते हुये कहा कि वे लोग अपने जन्मदिन पर महंगे गिफ्ट लेते है तो वही मोदी जी अपने जन्मदिन पर नयी योजनाओं का शुभारंभ कर आमजन को लाभान्वित करने का कार्य करते है। जिसके क्रम उनके द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया गया जिससे काफी महिलाएं लाभान्वित हुयी। उन्होंने कहा कि मैं जनपद के स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम के कार्यों की प्रसंशा करता हूँ कि इनके द्वारा अभियान के दौरान पूरे जनपद के कोने कोने में स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से आमजन पर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराया गया। अभियान की रूपरेखा के बारे में बताते हुये सीएमओ डॉ चन्दप्रकाश ने कहा कि अबतक हमारी जनपद की टीम ने स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान में लगभग एक लाख से ज्यादा लोगों का पंजीकरण कर चुकी है जिसमें लगभग 42 हजार से ज्यादा व्यक्तियो की बीपी,36 हजार से ज्यादा व्यक्तियों की सुगर की जाँच एवं 5 हजार से ज्यादा गर्भवती महिलाओं की जाँच,15 हजार से ज्यादा को टीकारण,आयुष्मान योजना के तहत 30 हजार से ज्यादा को लाभांवित किया जा चुका है इसके अलावा टीबी, कैंसर, एचआईवी की जाँच भी कराई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोशिएशन कुशीनगर पड़रौना के सहयोग पाँच टीबी रोगियों को पोषण पोटली सांसद,डीएम एवं सीडीओ द्वारा दिया गया एवं दो लाभार्थियों को आयुष्मान योजना के तहत प्रमाण पत्र दिया गया। मिशन शक्ति के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को अंगवस्त्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।सम्मानित होने वाली में डॉ ऋचा बरनवाल,योगिता कुशवाहा, खुशबू शुक्ला, प्रेमलता पांडेय, राजेश कुमारी, सरिता यादव, मनीषा यादव, आरती देवी,रामवती देवी,सुखली देवी प्रमुख रही। संचालन युवा कवि एवं शिक्षक अनूप मिश्र ने किया एवं अतिथियों के प्रति आभार मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर के शाही ने व्यक्त किया। इस दौरान सीएमएस डॉ दिलीप कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एस एन. त्रिपाठी, डिप्टी सीएमओ डॉ आरडी कुशवाहा, सदाशिव मणि त्रिपाठी, निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र, एसटीएलएस निशांत मिश्र, डॉ संध्या मिश्र, डॉ वेद मणि त्रिपाठी, डॉ रवि मिश्र, डॉ सतीश, डॉ एम.एच.खान, डॉ अमित श्रीवास्तव, डॉ स्वाति जायसवाल, फार्मासिस्ट श्रवण पांडेय, विजय तिवारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में 25,000 का इनामी बदमाश गिरफ्तार, गोली लगने से घायल

ऐंचौड़ा कम्बौह/सम्भल(सब का सपना):- थाना ऐंचौड़ा कम्बौह पुलिस ने एक सनसनीखेज मुठभेड़ में 25,000 रुपये के इनामी बदमाश अरशद पुत्र नईम को गिरफ्तार किया है। अरशद, जो जनपद सम्भल के मौहल्ला कोटगर्वी का निवासी है, पर गौकशी सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह घटना 30 सितंबर को घन्सुरपुर रोड पर चेकिंग के दौरान हुई, जब पुलिस टीम ने अरशद को रुकने का इशारा किया। पुलिस के अनुसार, अरशद ने भागने की कोशिश की और पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे अरशद के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ के दौरान अरशद के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर), एक खोखा कारतूस (नाल में फंसा), एक जिंदा कारतूस (.315 बोर), और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने अरशद की गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना ऐंचौड़ा कम्बौह में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, अरशद जनपद कुशीनगर से 25,000 रुपये का इनामी अपराधी है और उस पर गौकशी के अलावा अन्य गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर चर्चा बनी हुई है।

मर्डर से पहले इंजीनियर पत्नी की बेरहमी से पिटाई

गुरुग्राम। में IT इंजीनियर कपल अजय कुमार अग्रहरि और स्वीटी शर्मा के शवों के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ। रिपोर्ट में स्वीटी के शरीर पर न सिर्फ गला दबाने के निशान मिले, बल्कि हाथ-पैर और शरीर के हिस्सों पर मारपीट के निशान भी पाए गए। ऐसे में अनुमान है कि स्वीटी का गला दबाने से पहले उसे बेरहमी से पीटा गया होगा। बंगाल के आसनसोल से पहुंचे स्वीटी के भाई आकाश शर्मा ने अजय के खिलाफ बहन के मर्डर की FIR दर्ज करवाई है।हालांकि अजय सुसाइड कर चुका है। ऐसे में दर्ज होने के बाद क्लोजर रिपोर्ट फाइल होने की संभावना है। स्वीटी के परिवारवालों ने गुरुग्राम में ही उसका अंतिम संस्कार किया, जबकि अजय के परिजन शव को प्रयागराज लेकर चले गए। बुधवार को प्रयागराज में गंगा के किनारे आकाश का अंतिम संस्कार किया जाएगा।स्वीटी के परिवार के मुताबिक, अजय का बड़ा भाई विनय सरकारी कॉन्ट्रेक्टर हैं। रविवार को अजय व स्वीटी उनसे मिलने गए थे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ दो गिरफ्तार

हयातनगर/सम्भल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हयातनगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों, शहजाद पुत्र जरीफ (26 वर्ष, निवासी मौ0 कोटला, थाना रायसत्ती, सम्भल) और सुबहान पुत्र इरफान (निवासी फत्तेह उल्ला सराय, थाना कोतवाली, सम्भल) को हसनपुर की ओर जाने वाले मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिलें और एक कटी हुई मोटरसाइकिल बरामद की है। इस कार्रवाई के आधार पर थाना सम्भल में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की इस कार्यवाही से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्ती का स्पष्ट संदेश गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी।

बारिश और तेज हवाओं से धान, बाजरा और उड़द की फसलों को भारी नुकसान

किसानों से तुरंत क्षति दर्ज करने की अपील

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिले में 30 सितंबर को मंगलवार के दिन तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश के कारण धान, बाजरा और उड़द की फसलों को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। बारिश से खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे फसलों को गंभीर क्षति पहुंची है। उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी ने किसानों को सूचित किया है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्रभावित किसानों को समय पर क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किसानों से अपील की है कि वे फसल क्षति की सूचना 48 घंटे के भीतर टोल-फ्री नंबर 14447 या फसल बीमा कंपनी के व्हाट्सएप नंबर 7065514447 पर तुरंत दर्ज कराएं। क्षति के आकलन के लिए राजस्व विभाग, कृषि विभाग और फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम गठित की गई है, जो प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का जायजा लेगी। उप कृषि निदेशक ने किसानों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी फसलों की क्षति का दावा समय पर दर्ज करें।

अमरोहा जिले में मिशन शक्ति अभियान: प्रोबेशन विभाग की अहम भूमिका

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख महिला सशक्तिकरण अभियान 'मिशन शक्ति' के तहत अमरोहा जिले में प्रोबेशन विभाग ने महत्वपूर्ण योगदान निभाया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के नेतृत्व में विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान न केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि उन्हें सामाजिक, आर्थिक और कानूनी रूप से मजबूत बनाने पर भी जोर देता है। मिशन शक्ति अभियान का पांचवां चरण शारदीय नवरात्रि के अवसर पर शुरू हुआ है, जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। इस चरण में 'सामर्थ्य' जैसी उप-योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के लिए नई सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अमरोहा जिले में प्रोबेशन विभाग ने स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में महिलाओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, बाल विवाह और साइबर अपराधों के खिलाफ जागरूक किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने बताया, "हमारा विभाग महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें सरकारी योजना का लाभ भी दे रहे है। मिशन शक्ति के तहत हमने अब तक 500 से अधिक महिलाओं को लाभ पहुंचाया है।"इसी क्रम में, सखी वन स्टॉप सेंटर (डरउ) के कर्मचारियों ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाया। सखी केंद्र,की महिला कर्मचारियों ने अमरोहा के विभिन्न ब्लॉकों में पहुंचकर महिलाओं को सशक्तिकरण के उपायों से अवगत कराया। महिला कर्मचारी और पुलिसकर्मी संयुक्त रूप से घर-घर जाकर हेल्पलाइन नंबर 1090 (महिला हेल्पलाइन) और 181 (महिला आपातकालीन सेवा) के बारे में जानकारी दे रहे हैं। प्रोबेशन विभाग ने मिशन शक्ति के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को भी मजबूत किया है। जिले के 50 से अधिक गांवों में बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए स्कॉलरशिप वितरण और स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा, स्वाधार गृह और कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। राकेश सिंह ने आगे की योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा, "अक्टूबर माह में हम 100 अतिरिक्त जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे, जिसमें वकीलों और मनोवैज्ञानिकों की भागीदारी होगी।"मिशन शक्ति अभियान न केवल सरकारी प्रयास है, बल्कि सामाजिक जागरूकता का माध्यम भी बन रहा है। अमरोहा जैसे ग्रामीण जिले में जहां पारंपरिक बंधनों के कारण महिलाएं अक्सर पीड़ित होती हैं, वहां यह अभियान एक नई उम्मीद की किरण है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहे, तो उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का लक्ष्य शीघ्र प्राप्त हो जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे मिलकर इस अभियान को सफल बनाएं।

दिल्ली में जल्द ही बनेगा ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड, सीएम रेखा गुप्ता ने किया ऐलान

जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश

दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि राज्य सरकार जल्द ही ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड की स्थापना करेगी. इस बोर्ड में ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रतिनिधि और कार्यकारी सदस्य शामिल होंगे. बोर्ड का मुख्य उद्देश्य इस समुदाय की समस्याओं को समझना और उनकी भलाई के लिए विशेष योजनाएं तैयार करना होगा. मुख्यमंत्री ने यह घोषणा नेशनल ट्रांसजेंडर अवॉर्ड्स 2025 के अवसर पर की, जिसका आयोजन इंटरनेशनल ट्रांसजेंडर अखाड़ा द्वारा किया गया. इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल, विधायक शिखा राय, सामाजिक कार्यकर्ता और कई प्रतिनिधि भी मौजूद रहे. ट्रांसजेंडर एक्ट 2019 को बताया ऐतिहासिक रेखा गुप्ता ने 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा लागू किए गए ट्रांसजेंडर एक्ट के बारे में बात करते हुए इसे ट्रांसजेंडर समुदाय की समस्याओं को सुलझाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया. उन्होंने कहा कि सरकार

का ह्लसबका साथ, सबका विकासह्व का संदेश केवल नारा नहीं है, बल्कि यह सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए असल और वास्तविक प्रयास को दिखाता है. सीएम ने आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार इस समुदाय के सम्मान, अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाएगी. उनका कहना है कि सरकार का लक्ष्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समावेशी और प्रगतिशील समाज में सक्रिय भागीदारी का अवसर देना है. समुदाय की प्रमुख समस्याएं ट्रांसजेंडर समुदाय अक्सर नौकरी में भेदभाव, कार्यस्थल में दुर्व्यवहार और जेंडर-न्यूट्रल सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं का सामना करता है. इसके कारण कई लोग मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से भी जूझते हैं. समुदाय का कहना है कि उन्हें समान अधिकार और रोजगार में निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करने के लिए ठोस कानूनों और सुरक्षा उपायों की जरूरत है. सरकारी

दिल्ली सरकार जल्द ही ट्रांस जेंडर वेलफेयर बोर्ड बनाएगी, जिसमें समुदाय के प्रतिनिधि होंगे. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नेशनल ट्रांसजेंडर अवॉर्ड्स में यह घोषणा की

योजनाओं पर ध्यान मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बोर्ड के जरिए न सिर्फ.उनकी समस्याओं को समझा जाएगा, बल्कि विशेष योजनाएं और सुविधाएं भी तैयार की जाएंगी. इसके तहत शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. हालांकि, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए मुफ्त बस यात्रा की योजना अभी कैबिनेट की मंजूरी का इंतजार कर रही है. रेखा गुप्ता ने कहा, ह्लसमानता और सम्मान का असली मतलब इंसानियत में संतुलन और सामंजस्य लाना है. हम चाहते हैं कि ट्रांसजेंडर समुदाय समाज में समान रूप से सम्मानित हो और हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी दिखा सके.ह्व इस पहल से दिल्ली सरकार का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सशक्त बनाना और उन्हें समाज में सक्रिय योगदान देने का अवसर देना है. बोर्ड की स्थापना के बाद यह समुदाय अपनी समस्याओं और सुझावों को सीधे सरकार तक पहुंचा सकेगा.

दिल्ली में वर्कप्लेस पर यौन उत्पीड़न जांच समितियों का होगा सर्वे, श्रम विभाग ने अधिकारियों को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली। देश में हर साल कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मामले बढ़ रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2013 के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम के तहत की गई शिकायतें बढ़ोतरी हो रही है। जो 2013-14 की 161 से बढ़कर 2022-23 में 1,160 हो गई है। है। हालांकि सच्चाई यह है कि यह संख्या वास्तविक घटनाओं से बहुत कम है। इस सब के बीच दिल्ली सरकार ने अपने सभी डीएम को निर्देश दिए हैं कि वे इस बात का सर्वे कराएं कि निर्धारित संख्या वाले कार्य स्थलों पर क्या ऐसे मामलों की जांच के लिए समितियां बनाई गई हैं। अगर समितियां नहीं बनाई गई हैं तो कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जारी किया था आदेश सरकार के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी किया था। जिसमें जिलाधिकारियों से यह सर्वेक्षण करने को कहा गया है कि शहर में निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के कितने संगठनों ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने के लिए समितियां बनाई हैं, जो कि एक अनिवार्य कदम है। इसके बाद अब श्रम विभाग ने अपने अधिकारियों से जिलावार संगठनों की सूची डीएम के साथ साझा करने को कहा है, जो समितियों के गठन की जांच के लिए सर्वेक्षण करेंगे। यह डेटा 10 दिनों के भीतर साझा किया जाना है। यह कदम महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 19 सितंबर को श्रम आयुक्त को लिखे गए एक पत्र के बाद उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि जिला मजिस्ट्रेटों को पीओएसएच अधिनियम 2013 के कार्यान्वयन के लिए एक सर्वेक्षण करना आवश्यक है। 12 अगस्त, 2025 को, सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा छह सप्ताह के भीतर ऐसे सर्वेक्षण किए जाएं। कार्यस्थल अधिनियम, 2013 के अनुसार, 10 या अधिक कर्मचारियों वाले नियोक्ता को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन सुनिश्चित करना होगा। यह समिति, जिसकी अध्यक्षता एक वरिष्ठ महिला कर्मचारी करेगी, शिकायतों की जांच करने, उचित कार्रवाई की सिफारिश करने और पूरी प्रक्रिया के दौरान गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदार होगी। यदि किसी कार्यस्थल पर कोई आंतरिक शिकायत समिति गठित नहीं की गई है, तो श्रम विभाग को कार्रवाई करनी होगी।

चांदनी चौक के व्यापारियों ने गिनाई समस्याएं, सांसद प्रवीन खंडेलवाल के साथ हुई अहम बैठक

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के स्थलीय निरीक्षण कर समस्याएं जानने के बाद मंगलवार को स्थानीय सांसद प्रवीन खंडेलवाल चांदनी चौक पहुंचे। दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन कार्यालय में करीब तीन घंटे तक चली बैठक में व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 750 से अधिक व्यावसायिक इमारतों पर लटकती सीलिंग की तलवार, गलियों के प्रवेश द्वार पर लगे बूम बैरियर से आने जाने में परेशानी, पूरे चांदनी चौक में अतिक्रमण, जाम, गदंगी समेत अन्य समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके साथ ही 2,500 से ऊपर के परिधानों पर 12 प्रतिशत जीएसटी के मुद्दे को भी उठाया और हस्तक्षेप कर वित्तमंत्री से कम कराने की मांग की। इस मौके पर भाजपा, चांदनी चौक के जिलाध्यक्ष अरविंद गर्ग भी मौजूद रहे। डीएचएमए के अध्यक्ष मुकेश सचदेवा, महासचिव श्रीभगवान बसंल, आजाद मार्केट से प्रमोद अग्रवाल, कूचा महाजनी में ताराचंद जालान व कमल पलवल, सदर बाजार से परमजीत सिंह पम्मा, क्लाथ मार्केट से गोपाल गर्ग समेत 25 से अधिक बाजारों के करीब 100 कारोबारी प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में सहमति बनी कि अवैध निर्माण मामले में सुप्रीम कोर्ट में व्यापारियों को भी पक्षकार बनाने की मांग के साथ इसके लिए अनुभवी अधिवक्ता को रखा जाए। प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस मामले में केंद्र सरकार व एमसीडी भी गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण के हाई कोर्ट व एमसीडी ट्रिब्यूनल के स्टे को 31 दिसंबर से स्वतः समाप्त हो जाने का आदेश दिया है, जिसके बाद से सीलिंग व तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। जिससे व्यापारियों की चिंता बढ़ी हुई है।

इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले दो जालसाजों को दबोचा, लोगों को ऐसे फंसाते थे आरोपी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को ठगने वाले दो जालसाजों को उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान फरीदाबाद, हरियाणा के आजाद खान और अजय के रूप में हुई है। उनके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और सिम बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, आरोपी फेसबुक पर नौकरी का विज्ञापन डालते थे और अजय विज्ञापन में अपना मोबाइल नंबर देता था। लोगों का विश्वास जीतने के लिए वह पीड़ितों को फर्जी लेटर और एयरपोर्ट का गेट पास देकर उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते थे। पुलिस उनसे पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि वह अब तक कितने लोगों के साथ ठगी कर चुके हैं। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, शिकायतकर्ता वजीराबाद के रोहित यादव ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलाने के नाम पर 24,100 रुपये की ठगी के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि फेसबुक पर एक नौकरी का विज्ञापन देखा। उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर काल की, जिसने अपना नाम रोहित शर्मा बताया और शिकायतकर्ता से फार्म फीस, ड्रेस चार्ज और एग्रीमेंट के नाम पर 24,100 रुपये ट्रांसफर करने को बोला। उनकी बातों में आकर पीड़ित ने 30 जुलाई को यूपीआइ के जरिये रकम ट्रांसफर कर दी। इसके बाद, शिकायतकर्ता को एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया से जारी एक गेट पास और इंडिगो एयरलाइंस का एक बान्ड एग्रीमेंट मिला, जो जांच करने पर फर्जी निकला।

DPDP Ac3-2023 को लेकर कोई अधिसूचना जारी की गई है या नहीं ? दिल्ली HC ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम-2023 को लागू करने के बिंदु पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने केंद्र सरकार को यह बताने के लिए कहा है कि क्या इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। अदालत ने केंद्र सरकार की तरफ से पेश वकील को पता करने का निर्देश दिया कि क्या इस अधिनियम की धारा-एक की उपधारा (दो) के अंतर्गत कोई अधिसूचना जारी की गई है। इसके साथ ही यह भी पता करने को कहा कि क्या ऐसी कोई अधिसूचना विचाराधीन है। मामले पर अगली सुनवाई 12 नवंबर को होगी। यह एक्ट व्यक्तियों के निजता के अधिकार और वैध उद्देश्यों के लिए उनके व्यक्तिगत डेटा की रक्षा करता है। 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बावजूद अधिनियम को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकार को इसे अधिसूचित करने का निर्देश देने की मांग की। याचिका में दावा किया गया है कि डीपीडीपी अधिनियम के कार्यान्वयन के बिना व्यक्ति की उचित सहमति के बगैर लोगों के व्यक्तिगत डेटा से समझौता किया जा रहा है। डीपीडीपी अधिनियम के अनुसार व्यक्तिगत डेटा को केवल सहमति लेने के बाद और कुछ वैध उपयोगों के लिए ही साझा किया जा सकता है। याचिका के अनुसार अधिनियम की धारा एक (दो) के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी करने के बाद यह लागू होगा। इसमें आगे यह भी है कि इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के लागू होने के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की जा सकती हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत को सूचित किया गया कि अभी तक ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है इस कानून के तहत केंद्र सरकार द्वारा भारतीय डेटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना की आवश्यकता है। बोर्ड अनुपालन की निगरानी करेगा और दंड लगाएगा। इसके साथ ही डेटा उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक उपाय करने का निर्देश देगा और प्रभावित व्यक्तियों की शिकायतों की सुनवाई करेगा।

दिल्ली की राजेंद्र प्रसाद रोड पर वन-वे ट्रैफिक लागू, पीक टाइम में ऑफिस आते-जाते जाम से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। बढ़ते ट्रैफिक दबाव और बार-बार लगने वाले जाम को देखते हुए राजेंद्र प्रसाद रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। जसवंत सिंह चौक से लेकर राजेंद्र प्रसाद रोडझजनपथ रोड राउंडअबाउट तक वाहनों की आवाजाही अब से वन-वे होगी। यानी इस मार्ग पर केवल एक दिशा से ही गाड़ियों को आने-जाने की अनुमति होगी। यह व्यवस्था तुरंत प्रभाव से लागू कर दी गई है। आए दिन के ट्रैफिक जाम से थी आफत ट्रैफिक-मुख्यालय द्वितीय के उपायुक्त शिव केशरी सिंह ने आदेश जारी कर बताया कि लंबे समय से इस रोड पर भारी जाम की स्थिति बनी रहती थी। खासकर, कार्यालय आने-जाने के समय यहां वाहनों की कतारें लग जाती थीं, जिससे न केवल समय की बबार्दी होती थी बल्कि आम लोगों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही थी। कई बार इमरजेंसी सेवाओं को भी इस जाम में फंसना पड़ता था। सुरक्षा और सुविधा दोनों को ध्यान में रखते हुए वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया है, ताकि ट्रैफिक सुचारू रूप से चल सके और लोगों को राहत मिले। थानों पर चस्पा की जाएगी सूचना अधिकारी के मुताबिक, इस आदेश को लेकर आधिकारिक राजपत्र में सूचना प्रकाशित की जाएगी और इलाके के ट्रैफिक व स्थानीय पुलिस थानों के नोटिस बोर्ड पर इसे चस्पा किया जाएगा। साथ ही सड़क पर नए नियम को स्पष्ट करने के लिए संबंधित एजेंसियों को अनिवार्य व नियामक संकेतक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं। बोर्ड लगाने से वाहन चालकों को पहले ही जानकारी मिल जाएगी कि राजेंद्र प्रसाद रोड पर अब केवल एक दिशा में ही गाड़ियों का संचालन होगा। उल्लंघन पर कटेगा चालान ट्रैफिक पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे इस बदलाव को ध्यान में रखते हुए अपने रूट की पहले से योजना बना लें। ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट, इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म और हेल्पलाइन नंबर पर भी ट्रैफिक स्थिति व वैकल्पिक मार्गों की जानकारी दी जा रही है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नए नियम का उल्लंघन करने पर चालान और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के फ्लाइओवर पर हुई दर्दनाक घटना में पुलिस खाली हाथ, तीन जिंदगियां छीनने वाले कब होंगे गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में मुकुंदपुर हिट-एंड-रन मामले में 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। इस मामले में आरोपी कार चालकों व कारों का पुलिस पता नहीं लगा सकी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। ऐसे में घटनास्थल से लेकर करीब पांच किलोमीटर तक पुलिस सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। अभी तक कोई खास कामयाबी नहीं मिल सकी है। वहीं, घटनास्थल के आसपास रेत व पत्थर के टुकड़े भी मिले हैं। पुलिस को शक है कि पहले बाइक का पहिया पत्थर या रेत पर गया हो, फिर संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिरे हों, जिसके बाद उनके ऊपर से कोई वाहन गुजरा हो। पुलिस इस मामले में कई पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस मामले में आरोपी वाहन और चालकों का पता लगा लेगी। इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी ऑटो चालक सचिन ने बताया कि मैं रोहिणी स्थित इएसआई अस्पताल से अपने घर बुराड़ी की ओर जा रहा था। करीब रात 11:30 बजे मुकुंदपुर फ्लाइओवर पर पहुंचते ही देखा कि एक बाइक पर सवार तीन लोगों को कुचलते हुए एक सफेद रंग की स्वफ्टि कार तेज रफ्तार से निकल गई। ऑटो साइड में लगाकर इसकी जानकारी एंबुलेंस और पुलिस कंट्रोल रूम को दी। जानकारी देने के कुछ देर बाद घटनास्थल पर पुलिस तो आ गई थी। लेकिन एंबुलेंस को आने में देरी हुई। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद शाकिर ने बताया कि टिकरी बॉर्डर से भजनपुरा की ओर करीब रात 11:35 बजे आ रहा था। तभी मुकुंदपुर फ्लाइओवर पर देखा कि बाइक सवार एक बुजुर्ग के सिर से काफी खून निकल रहा था। जिनके सिर का काफी हिस्सा फटा हुआ था। जिनकी मौत हो चुकी थी। वहीं, बच्चे का चेहरा बुरी तरह से कुचल चुका था। जिसकी सांसे चल रही थीं। वहीं, एक लड़के के पीछे के हिस्से में गंभीर चोट लगी थी। उसके सिर से काफी खून निकल रहा था। उस समय उसकी भी सांसें चल रही थीं। सभी लोगों से इन्हें अस्पताल में ले जाने के लिए मदद की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने मेरा साथ नहीं दिया। एंबुलेंस करीब आधे घंटे बाद आई। बताया कि घटनास्थल पर 30 से 40 लोग थे, लेकिन मदद करने के बजाए, सभी वीडियो बनाते रहें। अगर किसी की मदद मिलती तो दोनों लड़कों को अस्पताल जरूर ले जाता। एंबुलेंस आने तक सभी ने दम तोड़ दिया। गौरतलब है कि मुकुंदपुर फ्लाइओवर पर बीते रविवार की देर रात तेज रफ्तार एक कार ने एक ही बाइक पर सवार बाप-बेटे और नाती को जोरदार टक्कर मार दी। वहीं, इनके सड़क पर गिरते ही दूसरी कार ने इन्हें कुचल दिया। जिससे घटनास्थल पर ही सभी की मौत हो गई। मृतकों की पहचान यमुनापार नार्थ घोंडा निवासी मोहम्मद शाहिद (60), इनके बेटे मोहम्मद फैज (28) और शाहिद के नाती हमजा (12) के रूप में हुई।

दिल्ली पुलिस ने सट्टा गिरोह पर कसा शिकंजा, सरगना समेत 24 जुआरियों को दबोचा और लाखों का कैश बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तर पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स सेल की टीम ने सब्जी मंडी इलाके में स्थित एक फ्लैट में सट्टा खेलने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सरगना समेत 24 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से दाव पर लगे 6.61 लाख नकद, ताश के पत्ते, नकदी गिनने की मशीन आदि बरामद हुई है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 28 सितंबर की रात लगभग दस बजे एसआइ रिंकू भाकर को गुप्त सूचना मिली कि दिल्ली के मलका गंज, डी ब्लाक, फर्स्ट फ्लार स्थित एक फ्लैट में जुआ चल रहा है। सूचना पर टीम ने मध्यरात्रि लगभग 12 बजे फ्लैट में छापा मारा, जहां कई लोग ताश के पत्तों से सट्टा खेलते मिले। पुलिस टीम को देख उनमें से एक व्यक्ति फर्स्ट फ्लार से कूद गया, जिससे उसके दाहिने पैर में चोट लग गई। टीम ने मौके से कुल 23 आरोपितों को गिरफ्तार किया। मौके से 6,61,130 रुपये की सट्टा राशि, ताश के पत्ते, एक डायरी, पेन और एक नकदी गिनने की मशीन आदि बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रिंकू, मनोज, मनमोहन प्रसाद उर्फ बाबू, बजरंग, गगन, नईम, इरफान, प्रकाश, गौरव, अरविंद गौड़, हरि प्रसाद, विजय, मुकुल छाबड़ा, निखिल, इरफान, शत्रुंजय, संजीव, आरिफ, नवीन, हरजीत सिंह, आशु, विनायक राजौरा और राजेश के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि मनमोहन उर्फ बाबू, मनोज और रिंकू, इस सट्टा रैकेट के सरगना हैं और फ्लैट के मालिक सोनू सरदार के लिए मैनेजर के रूप में काम करते हैं। आगे की जांच में पता चला कि बलविंदर उर्फ सोनू सरदार सब्जी मंडी इलाके का एक सक्रिय अपराधी है और पहले हत्या, चोट, शस्त्र अधिनियम आदि के कई मामलों में शामिल रहा है। 30 सितंबर को उसे महेंद्रू एन्क्लेव, माडल टाउन में एक किराए के घर से गिरफ्तार किया गया।

बारिश ने रामलीला मंचन में डाली बाधा, कीचड़ की वजह से कालाकारों को अभिनय करने में हुई परेशानी

पूर्वी दिल्ली। कहते हैं वक्त के साथ चीजे बदलती हैं। परंपरागत शैली से हटकर रामलीला मंचन में तकनीक दर्शकों को अपनी तरफ लुभा रही है। साउंड से लेकर लाइट लीला को आकर्षक बना रहे हैं। पूर्वी दिल्ली में सीबीडी ग्राउंड में हो रही श्रीहनुमंत रामलीला में मूर्छित लक्ष्मण की लीला दिखाई गई। एक विशाल हनुमानजी लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी लेने के लिए द्रोणागिरी पर्वत पर गए। बजरंगबली पूरा पहाड़ उठा लाते हैं। यह नजारा देखकर पंडाल जय बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान दर्शकों ने कलाकारों का जमकर उत्साहवर्धन किया। उस बूटी से लक्ष्मण जी स्वस्थ हो गए। इस मौके पर कमेटी के प्रधान मनीष बंसल, चेयरमैन नीलकमल गुप्ता, दीपक गुप्ता, सोनू कुमार, गौरव अग्रवाल, संजय कुमार मौजूद रहे। दिलशाद गार्डन स्थित गढ़वाल भ्रातृ मंडल की लीला भी लोगों को बहुत भा रही है। इस लीला में पहाड़ी संस्कृति की झलक व संवाद लोगों को सुनने को मिल रहे हैं। रामलीला में लंका का दहन होने पर लोगों ने जमकर तालियां बजाई। बाली वध, सीता की खोज और अशोक वाटिका को तहस-नहस करने का मंचन हुआ।

संयोजक डीएस राणा ने बताया कि दिलशाद गार्डन में एकमात्र रामलीला होने से काफी भीड़ आ रही है। सांस्कृतिक सचिव बीरेंद्र कैटा ने कहा कि दशहरे के तैयारी पूरी कर ली गई है। आइपी एक्सटेंशन स्थित श्रीरामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ में रावण सभा में विभीषण को लात मारी। भगवान राम ने जामवंत को लंका भेजा। रावण को शिवलिंग आचार्य रूप में बुलाने का मंचन हुआ। डिफेंस एन्क्लेव स्थित बाल मंदिर सीनियर सेकेंड्री स्कूल में हो रही रामलीला में बाली वध और लंका दहन का दर्शय दिखाया गया। लीला मंचन का आरंभ सीता विरह में व्याकुल श्रीराम के मार्मिक दृश्य के मंचन से हुआ। उसके उपरांत शबरी मिलन, हनुमान मिलन, बाली वध, अशोक वाटिका प्रकरण, रावण - हनुमान संवाद का भावपूर्ण व प्रभावशाली मंचन हुआ। अंत में लंका दहन के दृश्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। रावण के दूतों द्वारा हनुमान जी के पकड़े जाने पर पूंछ में आग लगाने के बाद वह सोने की लंका को जला कर तहस-नहस कर देते हैं। लीला में मुख्य रूप से भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी मौजूद रहे। रासविहार में आयोजित कामधेनु रामलीला में रावण- अंगद संवाद, अंगद का पांव जमाना, शांति वार्ता असफल- युद्ध की घोषणा, रावण द्वारा विभीषण को लंका से निष्कासित करना, मेघनाद-लक्ष्मण युद्ध, लक्ष्मण का मूर्छित होना, हनुमानजी द्वारा संजीवनी बूटी लाना का मंचन हुआ। वर्षा से नहीं हो सकी लीला, कई जगह देर से शुरू हुई मंगलवार को तेज वर्षा से लीला के मंचन में व्यवधान डाला। लीला स्थल व मेले में वर्षा का पानी भर गया।

कांग्रेस का संगठन निर्माण पर कृष्ण बेदी ने ली चुटकी, बोले- 11 का आंकड़ा किसी ज्योतिषी ने बताया होगा

चंडीगढ़ : 11 वर्ष में कांग्रेस का संगठन निर्माण और 11 माह में नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना यह बेशक एक संयोग हो लेकिन इस पर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने चुटकी लेते हुए कहा है कि यह 11 का आंकड़ा कांग्रेस को शायद किसी ज्योतिषी ने बताया होगा। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने सरकार बनाने के बाद मंत्रिमंडल की शपथ भी लंबे समय पहले ले ली, विधानसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव भी कर दिया, बजट सेशन समेत 3 सेशन भी कर लिए, चुनाव पूर्व संकल्प पत्र में किए गए 50 से अधिक वायदे भी वी कर दिए, उसके बाद अब कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष बना रही है और इस पर बड़ी कामयाबी मानते हुए अपनी कमर भी थपथपा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे राजनीतिक अनुभव वाले भूपेंद्र सिंह हुड्डा नेता प्रतिपक्ष बने, उन्हें बधाई। उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी रहे, संविधान सभा के सदस्य रहे, सांसद रहे, वजीर रहे, वह भी एक अनुभवी नेता थे और भारतीय जनता पार्टी को भी नेता प्रतिपक्ष की कमी काफी खल रही थी। लेकिन हमें यह उम्मीद तक लग रही थी कि शायद यह 5 साल भी नहीं बनाएंगे। हरियाणा में छोटे-छोटे दल इनेलो, बसपा, जेजेपी का भी संगठन है तो फिर 125 साल पुरानी पार्टी का संगठन न होना भी अच्छी बात नहीं थी। इसके लिए राहुल गांधी, राव नरेंद्र सिंह और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को बहुत-बहुत बधाई।

यह धरातल के नहीं, ड्राइंग रूम के नेता हैं : बेदी कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी

ने कांग्रेस इससे मजबूत होगी या नहीं इस प्रश्न के जवाब पर चुटकी लेते हुए कहा कि हां, बहुत अधिक मजबूत हो जाएगी। राहुल गांधी ने भी बहुत अधिक मजबूत कर दी, अब यह नेता कर देंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से इनका व्यवहार है, पार्टी में सिर फुटवल है, जब भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहले नेता प्रतिपक्ष थे, प्रदेश अध्यक्ष शैलजा को मीटिंग में बुलाया ही नहीं जाता था, अगर बुलाया तो वह आती नहीं थी। उदयभान अध्यक्ष थे वह संगठन तक नहीं बना पाए। हुड्डा के मुख्यमंत्री रहने दौरान फूलचंद मौलाना प्रदेश अध्यक्ष थे, तब भी किसी प्रकार की कोई खास चर्चा नहीं थी। अशोक तंवर के समय भी संगठन नहीं बनने दिया गया। यह सभी ड्राइंग रूम के नेता हैं। धरातल के नेता नहीं है। राव नरेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाने पर खुद कांग्रेसी कह रहे हैं कि हमें पता ही नहीं यह कांग्रेस में है। हालांकि राव नरेंद्र राजनीतिक परिवार से है, लेकिन जनता का नेता हम इन्हें नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की जान ग्रुपों में फंसी हुई है। अभी तो यह भी नहीं पता कि नरेंद्र सिंह किस गुट के हैं। सोशल मीडिया पर एससी वर्ग के लोग कह रहे हैं कि पहले अपने पुत्र को बनाने के लिए एससी समाज से राज्यसभा की सीट छीन ली, अब प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी भी छीन ली गई। आखिर किसे अपनी सद्भावना दिखाएगा बृजेंद्र : बेदी बृजेंद्र सिंह द्वारा 2 अक्टूबर को सद्भावना यात्रा की शुरूआत पर टिप्पणी करते हुए बेदी ने कहा कि जब वीरेंद्र डूमरखा कांग्रेस में थे, तब कभी कांग्रेस में नहीं रहे। जब वह बीजेपी में थे तो वह कभी बीजेपी में नहीं रहे। वह वन मैन आर्मी है। उनकी समस्या वह खुद जानते हैं। आखिरकार बेटे ने सद्भावना यात्रा क्यों शुरू की, वह किसे सद्भावना दिखाना चाहते हैं, क्या यात्रा में वहां के सांसद जेपी शरीक होंगे या फिर इनके पोस्टर में जेपी की फोटो मिलेगी, क्या वह भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा, रणदीप सुरजेवाला या नए प्रदेश अध्यक्ष की फोटो पोस्टर में लगवाएंगे या फिर भूपेंद्र सिंह हुड्डा इनकी सद्भावना यात्रा की शुरूआत करने आएंगे। नारनौंद के विधायक जस्सी पेटरवार या आदमपुर के विधायक इस यात्रा में शरीफ होंगे यह सभी बड़े प्रश्न है। अगर यह नहीं शामिल होंगे तो फिर आखिर यह किसे अपनी सद्भावना दिखाएगा।

पशुओं की दवा का इंसानों पर गंभीर असर, हरियाणा में जारी हुए ये आदेश

चंडीगढ़ : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पशुओं में इस्तेमाल होने वाली 34 दवाओं के निर्माण, बिक्री और आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें 15 एंटीबायोटिक, 18 एंटीवायरल और एक एंटी-प्रोटोजोल दवा शामिल है। यह रोक अंडा देने वाले पक्षियों, दुधारू पशुओं, मवेशियों, भैंसों, बकरियों, भेड़ों, सूअरों और मधुमक्खियों पर लागू होगी। मंत्रालय के अनुसार, इन दवाओं का अंधाधुंध प्रयोग इंसानों पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डाल रहा था। पशुपालक इन्हें संक्रमण रोकने, दूध उत्पादन बढ़ाने और जानवरों की भूख बढ़ाने में प्रयोग कर रहे थे। नतीजतन, जब इंसान मांस, दूध या अन्य उत्पादों का सेवन करते थे तो दवाओं के अवशेष उनके शरीर तक पहुँच जाते थे। इससे आम दवाइयों का असर कम होने लगा और एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस जैसी गंभीर समस्या बढ़ने लगी। हरियाणा ड्रग कंट्रोल विभाग के आदेश इस बाबत केंद्र ने 22 मई को अधिसूचना जारी कर सुझाव मांगे थे। अब अंतिम निर्णय लेते हुए इन दवाओं पर रोक लागू कर दी गई है। हरियाणा ड्रग कंट्रोल विभाग ने फार्मेसियों, दवा कंपनियों और निरीक्षकों को आदेश भेज दिए हैं।

UGC ने कैथल की NIILM विश्वविद्यालय को घोषित किया डिफॉल्टर

कैथल : कैथल की एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने वेबसाइट पर अनिवार्य जानकारी उपलब्ध नहीं करवाने की सूरत में डिफाल्टर घोषित किया है। इसमें यूजीसी एक्ट 1956 की धारा 13 के तहत अनिवार्य जानकारी उपलब्ध करवानी थी, लेकिन प्रबंधन की ओर से इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। सत्यापित दस्तावेजों के साथ जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए कहा अब रिमाइंडरों का हवाला देते हुए यूजीसी ने रजिस्ट्रार द्वारा सत्यापित दस्तावेजों के साथ जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। साथ ही संबंधित जानकारी जल्द से जल्द वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए कहा है। साथ ही कहा गया था कि भरे हुए प्रारूप और परिशिष्टों को वेबसाइट के होमपेज पर लिंक के रूप में अपलोड किया जाए, ताकि छात्र और आम लोग उसे आसानी से देख सकें।दिशा-निदेर्शों का पालन नहीं किया गया इसके बावजूद नीलम यूनिवर्सिटी ने दिशा-निदेर्शों का पालन नहीं किया। इस कारण उसे डिफॉल्टर की श्रेणी में डाल दिया गया है। यूजीसी के दिशा-निदेर्शों के अनुसार हर विश्वविद्यालय को हितधारकों के लिए पारदर्शी सूचना उपलब्ध कराने हेतु एक वेबसाइट रखना अनिवार्य है। अब यूजीसी की कार्रवाई के बाद इस यूनिवर्सिटी के प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं और छात्रों के भविष्य को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि लेटर आने के अगले दिन ही उन्होंने सारी जानकारी उपलब्ध करवा दी थी। उसके स्क्रीन शॉट भी यूजीसी को भेजे हैं। जल्द ही कमेटी इस पर विचार कर यूनिवर्सिटी को डिफाल्टिंग से बाहर करेगी।

यमुनानगरः जगाधरी आरटीओ कार्यालय में सीएम फ्लाइंग की छापेमारी, दो माह का रिकॉर्ड जब्त

यमुनानगरः जगाधरी आरटीओ कार्यालय में सीएम फ्लाइंग की छापेमारी, दो माह का रिकॉर्ड जब्त

यमुनानगर : हरियाणा के यमुनानगर जिले के जगाधरी स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में आज मुख्यमंत्री उडनदस्ते (सीएम फ्लाइंग) की टीम ने औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई में ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में नंद किशोर की नियुक्ति उपायुक्त बी.सी. साह द्वारा की गई थी। सीएम फ्लाइंग की टीम जब कार्यालय पहुंची, तो सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी उपस्थिति में मिले। कार्रवाई के दौरान पिछले दो महीनों से संबंधित समस्त रिकॉर्ड और अभिलेखों को जब्त कर लिया गया है। इन दस्तावेजों का गहन अवलोकन किया जा रहा है, जिसके उपरांत विस्तृत जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपे जाने की बात कही गई है। जहां आमतौर पर आरटीओ अधिकारी अपने एसी कक्ष से बाहर निकलते तक नहीं, वहीं आज सीएम फ्लाइंग की जानकारी मिलते ही वे सड़क पर उतरकर फील्ड में वाहनों की पासिंग कराने पहुंच गए। कार्यालय निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि हर बुधवार को वाहनों की पासिंग का कार्य नियमित रूप से किया जाता है। इसी दौरान एक नागरिक ने शिकायत दर्ज कराई कि वाहन रिन्यूअल फीस के नाम पर उसे कार्यालय के बाहर स्थित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में निर्धारित शुल्क से अधिक रकम अदा करनी पड़ी। शिकायतकर्ता ने बताया कि सामान्यतः निर्धारित शुल्क से कहीं अधिक वसूली की जाती है। कई वाहन मालिक या आम नागरिक, जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं होती, उन्हें फॉर्म भरने या पोर्टल पर प्रविष्टि करने में दिक्कत आती है।

इस स्थिति का लाभ उठाकर कुछ सीएससी संचालक मनमाने शुल्क वसूलते हैं, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। यह शिकायत गंभीर प्रकृति की मानी जा रही है और इसे जांच रिपोर्ट में विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से तथ्यात्मक जानकारी लेकर तथा दस्तावेजों की गहन जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। संक्षेप में कहा जाए तो, सीएम फ्लाइंग टीम ने नियमानुसार आरटीओ कार्यालय से रिकॉर्ड जब्त कर लिया है। अब इन दस्तावेजों की विस्तृत जांच के बाद एक पूर्ण रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, जिसमें सीएससी के माध्यम से की जा रही अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायत भी शामिल होगी।

मामले को लेकर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नंद किशोर ने कहा कि जगाधरी के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में सीएम फ्लाइंग की टीम की रेड की है। हमने दो माह का रिकॉर्ड जब्त किया है। उसकी जांच करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सीएम फ्लाइंग टीम के इंस्पेक्टर परमजीत सिंह ने बताया कि हमारे पास एक शिकायत आई थी कि लाइसेंस की ज्यादा फीस ली जाती है। इस पर हमने रेड डाली है।

बाढड़ा में फूटा किसानों का गुस्सा, सड़क पर उतर दी सरकार को चेतावनी

चरखी दादरी : रबी फसलों की बिजाई का सीजन शुरू होने के साथ ही किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिलने से खफा होकर किसानों ने दादरी के बाढड़ा कस्बा में सड़कों पर उतरकर रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने जहां खाद उपलब्ध कराने की मांग उठाई, वहीं बकाया फसलों का मुआवजा व बाजरा की खरीद शुरू करने बारे सीएम के नाम रउट को ज्ञापन सौंपा। साथ ही चेतावनी दी कि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। भाकियू प्रधान हरपाल भांडवा व किसान नेता राजेश गोपी की अगुवाई में किसान संगठनों के सदस्य बाढड़ा के क्रांतिकारी चौक पर एकत्रित हुए और धरना देते हुए रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने कहा कि अधिकारियों से लेकर विधायक व सीएम तक मुलाकात कर अपनी मांगे रख चुके हैं। बावजूद इसके उनकी मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया है। अनिश्चितकालीन धरने की दी चेतावनी किसान नेताओं ने कहा कि 2023 की खराब फसलों का बकाया मुआवजा, बीमा क्लेम घोटाले की जांच के अलावा रबी सीजन में खाद उपलब्ध कराने के साथ बाजरा की खरीद शुरू करने की मांग उठाई है। साथ ही चेतावनी दी कि दो दिन में किसानों की मांगों पर विचार नहीं किया तो रउट कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। इस मामले में रउट आशीष सांगवान ने कहा कि किसानों की तीन मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। उच्चाधिकारियों के माध्यम से समाधान करवाया जाएगा और उचित माध्यम से ज्ञापन सरकार को भेज दिया जाएगा।

'हंसकर वापस आ जाते हैं मुख्यमंत्री', जस्सी पेटवाड़ का उट सैनी पर निशाना

चंडीगढ़ : नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेसी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कांग्रेसी कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज है, यह फैसला हरियाणा में कांग्रेस की सरकार लाने को लेकर मील का पत्थर साबित होगा, यह कहना है नारनौंद के विधायक जस्सी पेटवाड़ का। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से देश प्रदेश में मैसेज था कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। लेकिन जात-पात-धर्म के नाम पर व वोट चोरी - जनादेश चोरी कर जिस प्रकार के नतीजे लाए गए उस निराशा से उभरने के लिए ऐसा फैसला अति जरूरी था और इस ऐतिहासिक फैसले के बाद कार्यकताओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 1 साल से हमें नेता प्रतिपक्ष नहीं मिल रहा था। 11 साल से संगठन नहीं था। लंबे समय अंतराल के बाद बेहद शिक्षित-अनुभवी व मजबूत नेता हमें दिए गए हैं। दोनों ही नेताओं को सरकार और संगठन का बड़ा अनुभव है। दोनों ही नेता भाजपा के सामने मजबूती से खड़े रहे हैं। निसंदेह इसका लाभ कांग्रेस पार्टी को अवश्य होगा। जस्सी ने कहा कि विधानसभा सेशन के दौरान हर मौके पर हमें सीएलपी लीडर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मदद मिली है। जब भी विधानसभा में हमें सत्ता पक्ष से कोई सवाल जवाब करना होता है या हमसे कोई गलती होती है तो हमेशा वह खड़े होकर सत्ता पक्ष और स्पीकर को बताते हैं कि यह नए विधायक हैं और यह उनका अधिकार है, जो आप छीन नहीं सकते। भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रहे, सांसद रहे, 10 साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और पांच बार के विधायक हैं। उनके अपार अनुभव का सीधा लाभ हमें मिलेगा। उन्होंने मौजूदा मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी जी पूरे दिन कॉमेडी करने में व्यस्त रहते हैं। उनकी ड्यूटी लगा रखी है कि कहीं भी जाओ हंसकर वापस आ जाओ।बाढ़ पीड़ितों की दशा देखने पीएम आए तक नहीं : जस्सी हाल ही में हिसार का 70 फीसदी हिस्सा बाढ़ग्रस्त था, फसलें खत्म हो गई, पानी से घर तबाह हो गए, लेकिन मुख्यमंत्री 5 किलोमीटर दूर एयरशो करके वापस लौट आए। जबकि उन्होंने हांसी, नारनौंद व उकलाना के कई गांव में जाना था। लेकिन हांसी के केवल दो उन गांवो में गए जहां ज्यादा नुकसान नहीं था। यह ऐसे मुख्यमंत्री हैं कि अभी तक इन्होंने प्रदेश के बाढ़ पीड़ितों के लिए एक भी पैसा रातकोष में से नहीं दिया। किसी प्रकार का पैकेज नहीं दिया गया। देश के प्रधानमंत्री पंजाब व हिमाचल में 1500 व 1600 करोड़ का राहत पैकेज देकर आए। लेकिन हरियाणा में प्रधानमंत्री आए तक नहीं और मुख्यमंत्री ने भी सिंगल पैसा पैकेज जारी नहीं किया। इससे उनकी गंभीरता का ध्यान किया जा सकता है।

किसानों की अनाज से भरी ट्रॉलियां आढ़तियों ने भेजी वापस

भिवानी : इन दिनो प्रदेशभर की अनाज मंडियों में खरीफ की फसलें बिकने के लिए आ रही हैं, वहीं अनाज मंडियों में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा है। भिवानी में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर सरकारी खरीद नहीं होने से गुस्साए आढ़तियों ने मंगलवार को बाजरा मंडी में उतरवाने से इन्कार कर दिया। खरीद का बहिष्कार करते हुए आढ़तियों ने किसानों की बाजरे से भरी 30 ट्रॉलियां वापस लौटा दी। भिवानी में भी मंडी बाजरे से भरी पड़ी है। वहीं भिवानी में आढ़तियों ने चेतावनी दी कि जब तक मंडी में बाजरे की सरकारी खरीद नहीं होती तब तक किसानों का बाजरा नहीं उतरवाएंगे। वहीं तोशाम मंडी में खरीद नहीं होने से गुस्साए किसानों ने सड़क पर आधे घंटे तक जाम लगाए रखा।

यमुनानगर में 75 फुट ऊंचा रावण का होगा दहन, 4 लाख रुपये बनकर हुआ तैयार

यमुनानगर : यमुनानगर में दशहरा पर्व को लेकर इस बार खास उत्साह देखने को मिल रहा है। शहरवासियों को इस बार 75 फुट ऊंचा रावण दहन देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही रावण मेघनाथ और कुंभकरण के 65 फुट ऊंचे पुतले भी तैयार किए गए हैं। विशाल पुतलों को देखने के लिए लोगों में भारी उत्सुकता है। करीब 40 दिनों से कारीगर लगातार इन पुतलों को तैयार करने में जुटे हुए हैं। दिन-रात की मेहनत के बाद अब पुतले अंतिम रूप ले चुके हैं। रावण को सजाने-संवारने का काम जोर-शोर से किया जा रहा है। कारीगर अब अंतिम टच देकर इन्हें ग्राउंड पर खड़ा करने की तैयारी कर रहे हैं। पुतलों को सजाने के लिए खास तौर पर सहारनपुर से कागज और कपड़ा मंगवाया गया है। यह सजावट इन पुतलों को और भी आकर्षक बना रही है। रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों को तैयार करने में 4 लाख रुपये से अधिक की लागत आई है। कारीगर महिंदर मनचंदा ने बताया कि उनके परिवार का यह पुश्तैनी कार्य है। व भी पिछले 40 साल से दशानन, मेघनाथ व कुंभकरण के पुतलों को बना रहे है। पूरे विधि विधान से कुछ लोगों को बनाकर उनकी पूजा की जाती है। ढोल के साथ रावण, मेघनाथ में कुंभकरण के पुतलों को ग्राउंड तक लेकर जाया जाता है। और फिर इनको दहन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इन पुतलों में भी करीब 2 लाख रुपए की आतिशबाजी लगाई गई है।

दशहरा का यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम ने असत्य, अधर्म और अहंकार के प्रतीक रावण का वध किया था। उसी परंपरा को जीवंत करते हुए हर साल रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले दहन कर समाज को संदेश दिया जाता है

कि चाहे बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंत में अच्छाई ही जीतती है। इस बार का दशहरा उत्सव यमुनानगर के लिए बेहद खास रहने वाला है। विशाल पुतलों के दहन के साथ रंगीन आतिशबाजी और रोशनी से पूरा माहौल जगमगा उठेगा। हजारों की संख्या में लोग इस दृश्य के साक्षी बनेंगे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में उत्साह का माहौल है।

बीजेपी ने अंबाला छावनी में समाज सेवा में नए आयाम किए स्थापित', सेवा पखवाड़े को लेकर बोले अनिल विज

चंडीगढ़ : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा ने अम्बाला छावनी में समाज सेवा क्षेत्र में नए आयामों को स्थापित किया है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन से लेकर महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी की 2 अक्टूबर को जयंती तक भाजपा द्वारा अम्बाला छावनी में चलाए गए सेवा पखवाड़ा कार्यकताओं के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए समाज सेवी कार्यों में बढ़चढ़कर भागेदारी की। विज ने कहा कि भाजपा द्वारा अम्बाला छावनी में चारों मंडलों जिनमें सदर मंडल, महेशनगर मंडल, शास्त्री मंडल व ग्रामीण मंडल में रक्तदान व स्वास्थ्य

चेकअप शिविरों के अलावा नमोवन कार्यक्रम के तहत पौधरोपण अभियान चलाया गया था। इसके अलावा, सफाई अभियान भी भाजपा द्वारा चलाए गए थे जिनमें कार्यकताओं के अलावा जनभागीदारी भी रही। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि चारों मंडलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया था और इन शिविरों में बढ़चढ़कर नागरिकों ने हिस्सा लिया। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिन को देखते हुए 75 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया था, मगर कार्यकताओं व लोगों के उत्साह के कारण इससे कई ज्यादा रक्त शिविरों में एकत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि चारों मंडलों में लगाए गए रक्तदान शिविर में कुल 353 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया है। इसी तरह, चारों मंडलों में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए जिनमें कुल 1468 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। इसी प्रकार, नमोवन कार्यक्रम के तहत मोदी जी के 75वें जन्मदिन पर 75 वृक्ष लगाने का लक्ष्य था, लेकिन मंडलों में ज्यादा वृक्ष लगाए गए और चारों मंडलों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कुल 610 वृक्ष लगाए गए।

गोपाल कांडा के घर और ऑफिस पर ईडी की रेड, 22 घंटे तक चला सर्च अभियान

हरियाणा : गुरुग्राम स्थित पूर्व गृह राज्यमंत्री गोपाल कांडा के घर और दफ्तर पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने करीब 22 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। जानकारी के अनुसार ED की टीम रविवार सुबह करीब 6 बजे कांडा के सिविल लाइंस स्थित आवास और कार्यालय पर पहुंची थी। तलाशी कार्रवाई देर रात तक चलती रही और सोमवार तड़के लगभग 4 बजे टीम वापस लौटी। सूत्रों का कहना है कि ईडी ने इस दौरान कई अहम दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं। तलाशी के समय उनके घर के बाहर दो गाड़ियां खड़ी देखी गईं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में की गई है। उल्लेखनीय है कि लगभग दो 2 साल पहले भी ED ने कांडा के खिलाफ कार्रवाई की थी और उस दौरान गोवा स्थित उनके कैसिनो पर छापेमारी की गई थी। अब दोबारा हुई इस तलाशी से मामले में नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

नायब सरकार के पास पहुंचा 11 नए जिले बनाने का प्रस्ताव, लिस्ट में शामिल हैं ये नाम

हरियाणा में 11 नए जिले बनाने के प्रस्ताव सरकार के पास पहुंचे हैं। इनमें करनाल का असंध, अंबाला का नारायणगढ़, गुरुग्राम के मानेसर और पटौदी, कैथल का पिहोवा, हिसार के हांसी और बरवाला, जींद का सफीदों, सोनीपत का गोहाना और सिरसा का डबवाली शामिल हैं। इसके साथ ही 14 नए उपमंडल, चार तहसील और 27 उप तहसील बनाने के प्रस्ताव भी मंत्रियों की उप समिति को मिले हैं। डबवाली और हांसी को पहले ही पुलिस जिला घोषित किया जा चुका है। चंडीगढ़ के सिविल सचिवालय में मंगलवार को हुई पुनर्गठन उप-समिति की पांचवीं बैठक में विकास एवं पंचायत और खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि सरकार प्रशासनिक पुनर्गठन को लेकर गंभीर है। उन्होंने बताया कि अब तक समिति को कुल 73 प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। बैठक में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे। बैठक में उपमंडल, तहसील और उप तहसील बनाने के लिए अलग-अलग मानदंड तय किए गए हैं। नए जिले बनाने के लिए कम से कम 125 से 200 गांव, चार लाख से अधिक आबादी और 80 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल आवश्यक है। समिति ने कुछ गांवों को उपमंडल और तहसील में शामिल करने की सिफारिश भी सरकार को भेजी है। कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि बैठक में लिए गए निर्णय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अनुमोदन के लिए भेजे जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 31 दिसंबर तक नए जिले और तहसील नहीं बनाए गए, तो जनगणना के कारण अगले डेढ़ साल तक इस प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं हो सकेगा।रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने भी प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव के लिए 31 दिसंबर तक की समय सीमा निर्धारित की है। यदि इस अवधि में बदलाव नहीं होता है तो अगली कार्रवाई जून 2027 के बाद ही संभव होगी।

हरियाणा के इस शहर में युद्ध के लिए तैयार होंगे ड्रोन, प्रयोगशाला में इंडीयन आर्मी करेगी शोध

अंबाला : ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह साफ हो गया है कि आने वाले समय में युद्ध के मैदान में ड्रोन की भूमिका बेहद अहम होगी। इसी दिशा में भारतीय सेना ने तैयारी शुरू कर दी है। सेना न केवल स्थानीय उद्योगों पर निर्भर रहेगी, बल्कि स्वयं भी ड्रोन तकनीक विकसित करने के लिए कदम बढ़ा रही है। अंबाला में इसके लिए एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिसमें मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (MES) के विशेषज्ञ कार्य करेंगे। सूत्रों के अनुसार, विशेषज्ञ ड्रोन निर्माण से जुड़े कच्चे माल, उपकरण और तकनीकी आवश्यकताओं की जानकारी जुटा रहे हैं। इन जानकारियों के बाद प्रयोगशाला की नींव रखी जाएगी। वहीं अंबाला की खड्गा कोर ने भी कुछ ड्रोन प्रोटोटाइप तैयार किए

हैं, जिनका उत्पादन प्राइवेट कंपनियों की मदद से किया जा रहा है। सेना का लक्ष्य आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐसे ड्रोन बनाना है जो पूरी तरह स्वदेशी हों। फिलहाल अधिकतर ड्रोनों में विदेशी उपकरणों का उपयोग होता है, लेकिन अब भारतीय स्टार्टअप स्वदेशी तकनीक को आगे बढ़ा रहे हैं। MES विशेषज्ञों को जल्द ही ड्रोन व काउंटर-ड्रोन तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद प्रयोगशाला में शोध और विकास का कार्य शुरू होगा। सेना की योजना हर यूनिट में ऐसे दस्ते तैयार करने की है जो ड्रोन संचालन और तकनीकी समझ में दक्ष हों। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य के युद्ध में हजारों ड्रोन और उनके साथ विस्फोटक तकनीक का बड़े स्तर पर उपयोग किया जाएगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अहमदाबाद (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बुलंद हौंसले से उतरेगी। भारतीय टीम ने जहां रविवार को एशिया कप जीता है। वहीं वेस्टइंडीज को नेपाल के खिलाफ टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे अंदाजा होता है कि वह कितनी कमजोर हो गयी है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य वेस्टइंडीज पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। ये सीरीज जीतकर भारतीय टीम के पास विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए अंक हासिल करने का अच्छा अवसर है। इससे पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के सफलता हासिल की थी। भारतीय टीम को इस सीरीज में घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है और बेहद खराब दौर से गुजर रही है। उसके तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अलजारी जोसेफ चोट के कारण बाहर हैं, जिससे गेंदबाजी की कमजोर हुई है। ऐसे में टीम में शामिल बाएं हाथ के दो स्पिनरों जोमेल वारिकन और तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

वहीं इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई बदलावों के साथ उतरेगी। अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, और युवा बल्लेबाज बी साई सुदर्शन टीम में शामिल रहेंगे। स्पिन की कमान अनुभवी रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव के पास रहेगी। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल को भी अवसर मिल सकता है।

आंकडों पर नजर डालें तो

साल 2002 के बाद से भारतीय टीम कोई मैच नहीं हारी है। इस दौरान हुई कुल 8 सीरीज हुई जो सभी भारतीय टीम ने जीतीं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

वेस्टइंडीज- रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

जूनियर निशानेबाजी विश्व कप: अंतिम दिन मुकेश ने स्वर्ण और तेजस्विनी ने रजत जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश नेलावल्ली ने बुधवार को यहां ISSF जूनियर विश्व कप के अंतिम दिन पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि तेजस्विनी सिंह ने इसी स्पर्धा में महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में कुल 585 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) अलेक्सांद्र कोवालेव ने 577 अंक से रजत पदक जबकि साहिल चौधरी ने 573 अंक से भारत के लिए कांस्य पदक सुनिश्चित किया। भारत ओलंपिक स्पर्धाओं में छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य सहित 19 पदकों से तालिका में शीर्ष पर रहा। एआईएन निशानेबाज 10 पदकों (चार स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) से दूसरे स्थान पर रहे जबकि इटली ने पांच पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत, एक कांस्य) से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारत ने गैर ओलंपिक स्पर्धा 50 मीटर राइफल प्रोन (पुरुष और महिला) और 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर व्यक्तिगत में दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते। इस साल के शुरू में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली तेजस्विनी ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 30 अंक बनाकर रजत पदक जीता। तटस्थ एथलीट एलेक्जेंड्रा तिखोनोवा ने 33 अंक से स्वर्ण पदक जीता जबकि इटली की एलेसांद्रा फेट ने 28 अंक से तीसरा स्थान हासिल किया। अन्य भारतीयों में नाम्या कपूर चौथे और रिया शिरीष थट्टे पांचवें स्थान पर रहीं।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, एशिया कपमें रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा उभरकर सामने आया है। अभिषेक शर्मा, भारत के बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज, ने बुधवार को टी20I बल्लेबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग (931 अंक) हासिल कर इतिहास रच दिया। इस रिकॉर्ड ने पिछले पांच साल से कायम इंग्लैंड के डेविड मलान के 919 अंकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन

एशिया कप 2025 में अभिषेक का प्रदर्शन यादगार रहा। श्रीलंका के खिलाफ अहम मैच में उन्होंने अर्धशतक बनाकर भारत को जीत दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 314 रन बनाए और औसत 44.85 रही। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला।

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली की पिछली सर्वोच्च रेटिंग को भी अभिषेक ने पीछे छोड़ दिया। इस समय वह इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक आगे हैं और बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। टीम साथी तिलक वर्मा ने भी 213 रन बनाए, लेकिन शीर्ष स्थान पर अभिषेक की पकड़ शानदार रही।

युवा लेकिन अनुभवी अंदाज

हालांकि अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन उनका क्रिकेट बुद्धिमानी और साहस पहले ही मैचों में दिख गया। उनकी बैटिंग शैली में संयम, आक्रामकता और मैच के दबाव को संभालने की क्षमता साफ़ झलकती है।

टी20 क्रिकेट में भारतीय भविष्य

अभिषेक शर्मा का यह रिकॉर्ड यह साबित करता है कि भारत की नई पीढ़ी के बल्लेबाज विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए न केवल शानदार शुरुआत है, बल्कि टी20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

दिल्ली रणजी टीम की चयन बैठक में हंगामा, बैठक स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार शाम दिल्ली की रणजी ट्रॉफी और अंडर-23 टीमों के लिए हुई चयन बैठक बिना पूरा हुए हंगामे के बीच अचानक समाप्त हो गई, जिसमें DDCA के कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला और निदेशक मंजीत सिंह व आनंद वर्मा ने इसकी प्रक्रिया का विरोध किया। इस बैठक में DDCA के सचिव अशोक शर्मा, संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर, दिल्ली सीनियर चयन समिति के सदस्य यशपाल सिंह, केपी भास्कर और मनु नायर के साथ-साथ दिल्ली सीनियर टीम के मुख्य कोच शरनदीप सिंह और अंडर-13 मुख्य कोच शंकर सैनी मौजूद थे।

कोषाध्यक्ष और दोनों निदेशकों ने DDCA के लोकपाल द्वारा 2023 में दिए गए एक आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि चयन समिति की बैठक में DDCA से जुड़ा कोई भी अधिकारी नहीं शामिल हो सकता है। वहीं सचिव शर्मा का कहना है कि यह परंपरा है कि हर साल जब भी चयन समिति की बैठक होती है तो उसे सचिव ही बुलाता और संचालित करता है। बैठक स्थगित होने के बाद सचिव ने DDCA अध्यक्ष रोहन जेटली को एक पत्र भी लिखा है।

उन्होंने अपने ई-मेल पत्र में लिखा, 'हाल ही में हुई चयन प्रक्रिया ने DDCA चयन समिति के कामकाज को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। स्थापित परंपराओं और बीसीसीआई के दिशानिर्देशों के विपरीत एपेक्स काउंसिल के सदस्यों ने अपनी भूमिका के दायरे से आगे बढ़कर कुछ ऐसा किया है, जिससे चयन समिति की स्वायत्तता और विश्वसनीयता कमज़ोर हुई है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि चयन प्रक्रिया पर पुनर्विचार करें और यह सुनिश्चित करें कि यह BCCI द्वारा अपनाए गए नियमों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का पालन करे।

हाल ही में हुई चयन समिति की बैठक में पिछली परंपराओं से हटकर काम हुआ। पहले सिर्फ़ सचिव और संयुक्त सचिव ही बैठक में उपस्थित रहते थे, लेकिन इस बार कुछ निदेशक भी बैठक में मौजूद थे। इससे पक्षपात

और अनुचित प्रभाव की संभावना को लेकर चिंता बढ़ गई है। ख़ासतौर पर जब एक निदेशक की मौजूदगी इसलिए भी सवाल उठाती है क्योंकि उनके परिवार का एक सदस्य चयनित होने का उम्मीदवार है।'

वहीं निदेशक मंजीत ने इन आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहा कि वे बैठक में सिर्फ़ इसलिए पहुंचे थे क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि बैठक में चयन समिति और कोचों के अलावा कोई पदाधिकारी भी इसमें शामिल हो, क्योंकि यह DDCA के नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई और अन्य राज्यों का नियम अलग हो सकता है और वहां की चयन समिति की बैठकों में सचिव भाग भी लेते होंगे या उसे बुलाते होंगे। लेकिन DDCA के लोकपाल ने 2023 के आदेश में यह स्पष्ट कहा है कि चयन समिति की बैठक में कोचों और चयन समिति के सदस्यों के अलावा कोई भी भागीदार नहीं हो सकता है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसका अर्थ यह है कि वह चयन प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है या करना चाहता है।'

एक क्रिकेटर के चयन के लिए परिवारवाद का आरोप लगने पर मंजीत ने कहा, 'यह चयन बैठक रणजी संभावितों के चयन के लिए थी, ना कि मुख्य टीम के लिए। अगर मुख्य टीम के लिए यह चयन बैठक होती और मैं उसमें हस्तक्षेप करता, तब इन आरोपों में कोई दम नहीं होता। हम तो उस बैठक में सिर्फ़ इसलिए पहुंचे थे ताकि DDCA के नियमों के अनुसार उस बैठक में चयन समिति के सदस्यों और कोचों के अलावा कोई भी हिस्सा ना ले।'

वहीं लोकपाल के 2023 के आदेश के सवाल पर सचिव अशोक ने कहा, 'यह आदेश सिर्फ़ तत्कालीन सचिव सिद्धार्थ साहिब सिंह के लिए थे क्योंकि उन पर उस समय हितों के टकराव, भ्रष्टाचार, अधिकारों के दुरुपयोग और चयन प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने के आरोप लगाए गए थे। यह अन्य आगे आने वाले सचिवों पर लागू नहीं होता है।'

उन्होंने इस संबंध में एक और पत्र अध्यक्ष जेटली को लिखा है, जिसमें उन्होंने अपना स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि वह ना तो कोई क्रिकेट एकेडमी चलाते हैं और ना उससे जुड़े हुए हैं। इसके अलावा ना ही उनका DDCA या बीसीसीआई के नियमों से कोई अन्य हितों का टकराव है। उन पर कोई अन्य शिकायत भी नहीं है, इसलिए उन पर वह अंतरिम आदेश लागू भी नहीं होता। रणजी ट्रॉफी 15 अक्तूबर से शुरू हो रही है।

चाइना ओपन : जैनिक सिनर का दबदबा कायम, दूसरी बार किया चाइना ओपन पर कब्जा

बीजिंग। इटली के जैनिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल फाइनल में अमेरिकी युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर-2 और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सिर्फ 34 मिनट में पहला सेट जीत लिया और फिर दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। 19 वर्षीय टिएन, जो अपने पहले एटीपी फाइनल में उतरे थे, शुरुआती चार गेम तक टक्कर देते रहे लेकिन सिनर ने पांचवें और सातवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर मैच पर कब्जा कर लिया। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 1 घंटे 12 मिनट में सीधी सेटों में जीत हासिल की। यह सिनर का लगातार तीसरा बीजिंग फाइनल था। 2023 में उन्होंने कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीता था, जबकि पिछले साल वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, टिएन ने लोरेंजो मुसेट्टी और मेदवेदेव जैसे खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और उभरते सितारे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, सभी प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

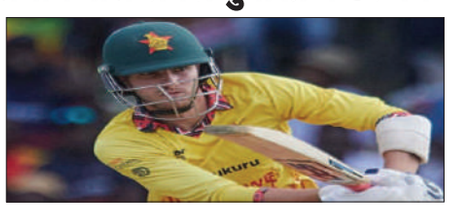

हरारे (जिम्बाब्वे)। तंजानिया के खिलाफ अपने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रायन बेनेट तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए। दाएं हाथ के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जहां उनकी टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी तंजानिया पर 113 रनों से जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच हुए मैच की बात करें तो तंजानिया के कप्तान कासिम नासाओरो ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 221 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे के लिए इस पारी में रन बनाने वाले खिलाड़ी बेनेट (60 गेंदों पर 111 रन), तदिवानाशे मारुमानी (34 गेंदों पर 49 रन), रयान बर्ल (11 गेंदों पर 22 रन) और सिकंदर रज़ा (नौ गेंदों पर 19 रन) थे। तंजानिया के लिए खालिद जुमा (4 ओवर में 2/39), एली किमोटे (4 ओवर में 2/42) और लक्ष्य बक्रानिया (2 ओवर में 1/35) ने अपने-अपने गेंदबाजी स्पेल में विकेट लिए। 222 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए तंजानिया क्रिकेट टीम मैच में 18.4 ओवर बल्लेबाजी करते हुए केवल 108 रनों पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में टीम के लिए रन बनाने वाले खिलाड़ी अभिक पटवा (22 गेंदों पर 32 रन), कासिम नासोरो (27 गेंदों पर 25 रन) और शिवराज सेल्वाराज (18 गेंदों पर 20 रन) थे। जिम्बाब्वे की ओर से, गेंदबाजों में ब्रैड इवांस (4 ओवर में 4/16), रिचर्ड नगारवा (3 ओवर में 2/13), सिकंदर रज़ा (20 ओवर में 2/6), टिनोटेंडा मापोसा (3 ओवर में 1/17) और रयान बर्ल (2.4 ओवर में 1/24) शामिल थे।

मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी, पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया।

मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम रॉबिंसन (नाबाद 106) रनों की आतिशी शतकीय पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 181 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया।

पारी की शुरुआत में न्यूजीलैंड की टीम एक समय छह रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में आई थी। बेन ड्वारश्विस ने डेवन कॉन्वे (एक) और मार्च चैपमैन (शून्य) के विकेट झटके। जॉश हेजलवुड ने टिम सीफ्ट (चार) को आउट किया। ऐसे संकट के समय डैरिल मिचेल ने टिम रॉबिंसन के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 11वें ओवर में मैथ्यू शॉर्ट ने डैरिल मिचेल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मिचेल ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रनों की पारी खेली। बेवन जैकब्स (20) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (सात) रन आउट हुए। टिम रॉबिंसन ने 66 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए नाबाद 106 रन बनाए।

कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (ऑस्ट्रेलिया)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सकर्ल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरकार, लोहे की गेंद को उठाने के लिए लंबे इंतज़ार के बाद, 35 वर्षीय स्विरिडोव ने उसे काफी दूर तक फेंका। उन्होंने साँस रोककर - और अपने हाथों को सिर के पीछे बाँधकर - माप आने का इंतज़ार किया। जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने 17.01 मीटर की दूरी तय कर ली है, तो उन्होंने राहत की सांस ली। ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ने आगे बढ़कर स्विरिडोव को गले लगाया और उनकी सराहना की। 2023 और 2024 में स्विरिडोव की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले गुएनिची, रूसी मूल के इस एथलीट की वैश्विक प्रतियोगिताओं में पकड़ ढीली करना चाहते थे। उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने स्विरिडोव के अदम्य साहस की सराहना करने में सहजता दिखाई।

शाहिद अफरीदी की मोहसिन नकवी को सलाह, पीसीबी या पाकिस्तान मंत्रालय छोड़ें

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप ट्रॉफी लेकर चले जाने और उसे विजेता टीम भारत को नहीं देने देने के बाद विवादों में घिरे मोहसिन नकवी को एक पद चुनने को कहा गया है। ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नकवी से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का अध्यक्ष या गृह मंत्री में से किसी एक पद को छोड़ने के लिए कहा है। उनका कहना है कि नकवी दोनों मोर्चों पर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रविवार को एशिया कप में हुई गड़बड़ी के बाद, ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नक़वी से यह मांग की है। उनकी मुश्किलें और भी बढ़ गईं, क्योंकि नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष भी हैं, जिन्होंने भारत के जय शाह के ICC में जाने के बाद यह पद संभाला है। पाकिस्तान एशिया कप में उपविजेता रहा, लेकिन एशिया कप में भारत के हाथों तीन बार मिली हार के कारण आलोचकों ने टीम की खराब बल्लेबाजी और PCB की दूरदर्शिता की कमी की आलोचना की है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की मंगलवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी अब बोर्ड के संचालन को लेकर जांच का सामना कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में अफरीदी ने कहा, 'नकवी साहब से मेरा अनुरोध या सलाह यह है कि आपके पास दो बहुत महत्वपूर्ण पद हैं और ये बड़े काम हैं और इन्हें पूरा करने में समय लगता है। PCB गृह मंत्रालय से बिल्कुल अलग है, इसलिए इसे अलग रखा जाना चाहिए।' रिपोर्ट के अनुसार, 'अफरीदी ने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला होना चाहिए। अफरीदी ने कहा, 'यह एक बड़ा फैसला होगा और इसे जल्द से जल्द लिया जाना चाहिए। पाकिस्तान क्रिकेट को विशेष ध्यान और समय की आवश्यकता है।' अफरीदी ने कहा कि नकवी के सलाहकार विश्वसनीय नहीं हैं। नकवी पूरी तरह सलाहकारों पर निर्भर नहीं रह सकते। ये सलाहकार उन्हें कहीं नहीं ले जा रहे हैं, और वह खुद कहते हैं कि उन्हें क्रिकेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। अफरीदी ने कहा कि नकवी को अच्छे सलाहकारों की जरूरत है जो खेल के बारे में जानते हों। अफरीदी ने कहा, 'उन्हें (नकवी को) अच्छे और सक्षम सलाहकार नियुक्त करने चाहिए जो खेल के बारे में जानते हों।'

एशिया कप ट्रॉफी विवाद: नकवी का नया बयान आया सामने, मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी न मिलने का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। अब एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने एक नया बयान देकर इस विवाद को और हवा दे दी है जिसमें उन्होंने कहा कि मैंने BCCI से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा।

ट्रॉफी लेने का स्वागत है

नकवी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'एसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने को तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर भारतीय टीम सच में इसे चाहती है तो दुबई स्थित एसीसी कार्यालय आने के लिए उनका स्वागत है और वे इसे मुझसे ले सकते हैं।' उनका यह बयान साफ़ करता है कि एसीसी और बीसीसीआई के बीच खींचतान अभी ख़त्म नहीं हुई है।

माफी नहीं मांगी और ना ही मांगूंगा

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि नकवी ने एसीसी की वार्षिक आम बैठक (AGM) में भारतीय अधिकारियों से माफी मांगी थी। नकवी ने इन खबरों को ग़लत और भ्रामक बताते हुए कहा, 'मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा।'

बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति

बीसीसीआई की ओर से राजीव शुक्ला और आशीष शेलार ने AGM में हिस्सा लिया था। दोनों ने भारतीय टीम को ट्रॉफी न देने के मामले में कड़ी आपत्ति जताई। AGM में नकवी ने कहा कि वह ट्रॉफी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस मुद्दे पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं हुआ। इससे भारतीय बोर्ड और नाराज हो गया। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई अब इस मामले को आईसीसी की बैठक (नवंबर 2025) में उठाएगा।

फाइनल और बढ़ती तनातनी

भारत ने फाइनल सहित पाकिस्तान को टूर्नामेंट में खेले गए सभी तीन मैचों में हराया। मैचों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी परहेज किया। इस रवैये से पीसीबी खासा नाराज़ हुआ।

राजनीतिक पृष्ठभूमि भी हावी

यह विवाद सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में

26 भारतीय पर्यटकों की हत्या ने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की।

स्पष्ट है कि एशिया कप ट्रॉफी विवाद खेल भावना से कहीं ज़्यादा राजनीति और द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़ा हुआ है। अब सबकी नजरें इस बात पर होंगी कि आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाया जाता है।

अर्जुन प्रसाद ने दूसरे राउंड के बाद बढ़त हासिल की

कोयंबटूर। दिल्ली के अर्जुन प्रसाद ने कोयंबटूर गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपए के तमिलनाडु ओपन 2025 प्रेजेंटेड बाय सिपकोट एंड टैनसेम में लगातार दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर हाफ-वे लीड हासिल कर ली। अर्जुन (70-70), जो कल तीसरे स्थान पर थे और लीड से एक शॉट पीछे थे, दूसरे राउंड के बाद एक शॉट से आगे हो गए और उनका कुल स्कोर चार अंडर 140 रहा। बंगलादेश के जमाल हुसैन (69-72), जो कल संयुक्त रूप से आगे चल रहे थे, बुधवार को इवन-पार 72 के अपने राउंड के परिणामस्वरूप तीन अंडर 141 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। स्कोरिंग के लिए एक और मुश्किल दिन, जहां तेज हवाओं ने कहर बरपाया, पुणे के प्रणव मार्डीकर ने 69 का न्यूनतम स्कोर बनाया और 11 स्थान ऊपर चढ़कर अहमदाबाद के अंशुल पटेल (71) के साथ दो अंडर 142 के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के अंशुल कम्बियाल ने भी दिन के न्यूनतम स्कोर 69 की बराबरी की और एक अंडर 143 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। जमाल के साथ रात भर संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे गौरव प्रताप सिंह ने बुधवार को 79 का स्कोर बनाया और चार ओवर 148 के स्कोर के साथ संयुक्त 20वें स्थान पर खिसक गए।

आयुष्मान ने थामा को बताया खास फिल्म

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। यह मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आयुष्मान पहली बार इस यूनिवर्स हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे में हाल ही में हुए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान ने इस यूनिवर्स में शामिल होने पर खुशी जताई। साथ ही उन्होंने 'थामा' को अपने लिए एक स्पेशल फिल्म भी बताया।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बोलते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। मैं हमेशा से मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बनना चाहता था। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला यूनिवर्स है। एक आम इंसान होने के नाते, मेरे आस-पास असामान्य चीजें हैं, मेरे आस-पास अलौकिक शक्तियां हैं, मुझे नहीं पता कि मैं इन सबका क्या करूं। इसलिए यह बहुत ही अनोखा है। यह दुनिया थामा के साथ अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही है। यह वाकई रोमांचक है। यह मेरे लिए नया है।' 'थामा' को एक फैमिली एंटरटेनर बताते हुए आयुष्मान ने कहा कि फिल्म में कॉमेडी ज्यादा और हॉरर कम है। यह पहली बार है जब मेरी कोई फिल्म दिवाली पर रिलीज हो रही है। मैं दोगुना उत्साहित हूं। हर अभिनेता की यह बकेट लिस्ट होती है। थामा हॉरर जगत में बहुत कुछ जोड़ेगा और यह इस यूनिवर्स की कहानी को भी आगे बढ़ा रहा है।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'थामा' दिवाली के मौके पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान के साथ रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'थामा' हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। 2018 में 'स्त्री' से शुरू हुए इस यूनिवर्स में अब तक 'भेड़िया', 'मुंज्या' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्में शामिल हैं।

सूर्या-ज्योतिका की बेटी दीया की फिल्मों में एंट्री

साउथ स्टार सूर्या और उनकी पत्नी व एक्ट्रेस ज्योतिका की एक्टिंग विरासत को अब उनकी बेटी दीया सूर्या आगे ले जा रही हैं। हालांकि, दीया ने माता-पिता की तरह अभिनय की दुनिया में नहीं, बल्कि बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की है। दीया ने पारिवारिक बैनर 2डी एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित डॉक्यू-ड्रामा शॉर्ट फिल्म लीडिंग लाइट से निर्देशन में कदम रखा है। लीडिंग लाइट बॉलीवुड में काम करने वाली महिला क्रू के सफर पर केंद्रित है। मौजूदा वक्त में यह फिल्म लॉस एंजिल्स के रीजेंसी थिएटर में ऑस्कर क्वालीफाइंग रन के लिए प्रदर्शित हो रही है, जो दीया के करियर की एक शानदार शुरुआत है। लीडिंग लाइट एक डॉक्यूमेंट्री ड्रामा है, जो फिल्म मेकिंग में पर्दे के पीछे रहकर लाइटनिंग का काम करने वाली महिलाओं के जीवन और उनके सफर को दिखाती है। यह एक ऐसा पहलू और लोग हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इनकी कहानियां शायद ही कभी पर्दे पर दिखाई देती हैं। ऐसे में एक ऐसे विषय पर बनी फिल्म से अपनी शुरुआत करना दीया की हिम्मत को दिखाता है। यह शॉर्ट फिल्म 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रीजेंसी थिएटर में हर दिन प्रदर्शित हो रही है। अपने नए नजरिये और जबरदस्त कहानी कहने के अंदाज से लीडिंग लाइट दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

सूर्या और ज्योतिका हैं निर्माता

इस फिल्म के निर्माता सूर्या और ज्योतिका हैं, जिन्होंने अपनी बेटी के इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट किया है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि 2डी एंटरटेनमेंट के बैनर तले, हमें दीया सूर्या द्वारा निर्देशित एक डॉक्यू-ड्रामा लीडिंग लाइट का समर्थन करते हुए गर्व हो रहा है। यह बॉलीवुड की महिला क्रू के जीवन पर आधारित है।

पंचायत फेम जीतू भैया के साथ नजर आएंगे अरशद वारसी

अरशद वारसी इन दिनों फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच उनकी आगामी फिल्म का एलान हो गया है, जिसमें वे पंचायत सीरीज फेम जीतू भैया यानी एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। अरशद वारसी की आगामी फिल्म का आज शनिवार को एलान हुआ है। इस फिल्म में वे पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म का नाम है भागवत। जी5 ने फिल्म का आधिकारिक एलान करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है।

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म

यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अरशद वारसी पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दर्शकों को सस्पेंस और ड्रामा दोनों का डोज मिलेगा। फिल्म इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की कहानी पर आधारित है और यह रोल अरशद वारसी अदा कर रहे हैं। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, हमने सोचा था कि 2025 के सभी प्लॉट ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट यहां है... भागवत आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अक्षय शेरे के कंधों पर है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज की भयावह पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म सस्पेंस, इमोशन और ड्रामा का मिश्रण है। यह फिल्म जी5 पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है।

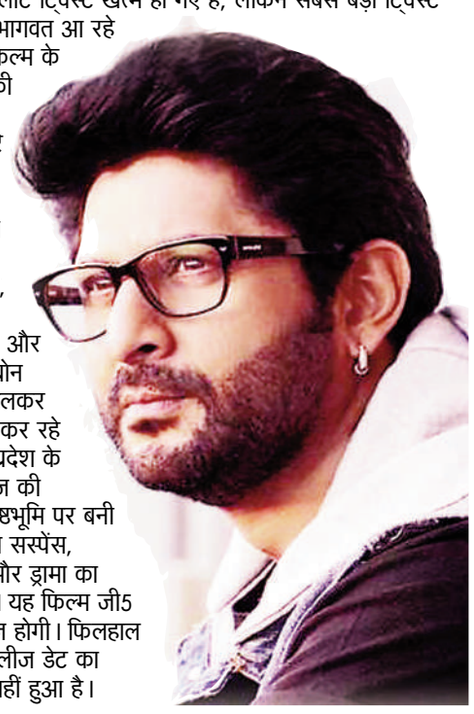

फोर्स 3 में एक्शन करती नजर आएंगी मीनाक्षी चौधरी

जॉन अब्राहम की सुपरहिट एक्शन फ्रैंचाइजी फोर्स के फैंस के लिए खुशखबरी है। खबर है कि फोर्स 3 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार पर्दे पर जॉन अब्राहम एक्शन के साथ ही एक दमदार कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन सबसे खास बात यह है कि इस फिल्म में साउथ सिनेमा की सनसनी मीनाक्षी चौधरी को कास्ट किए जाने की खबर है। थलपति विजय की गोट, महेश बाबू की गुंटूर करम और नानी की हिट 2 के साथ ही इस हसीना ने दुलकर सलमान की लकी भास्कर में भी हर किसी का दिल जीता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वेंकटेश के साथ संक्रांति वस्तुनम में नजर आ चुकीं मीनाक्षी को फोर्स 3 के लिए साइन कर लिया गया है। इसमें कहा गया है, कई नामों के ऑडिशन के बाद जॉन अब्राहम और भाव धूलिया ने फोर्स 3 में मीनाक्षी चौधरी को फाइनल कर लिया है। जॉन की तरह ही फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी एक्शन करती नजर आएंगी। वह अगले कुछ महीनों में एक्शन वर्कशॉप में हिस्सा लेंगी।

राकेश मारिया बायोपिक के बाद फोर्स 3 की शूटिंग करेंगे जॉन अब्राहम

बहरहाल, चर्चा ये भी है कि फोर्स 3 की शूटिंग इसी साल नवंबर 2025 में शुरू हो जाएगी। फिलहाल, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम जोर-शोर से चल रहा है। जॉन अब्राहम इन दिनों रोहित शेट्टी के साथ राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं। इसके तुरंत बाद वह फोर्स 3 की शूटिंग शुरू कर देंगे।

मिस इंडिया इंटरनेशनल रह चुकी हैं मीनाक्षी

मीनाक्षी ने साल 2018 में मिस इंडिया कंपीटिशन में भी हिस्सा लिया था और मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज जीता। इसके बाद मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2018 में वह फर्स्ट रनरअप चुनी गईं।

डेंटल सर्जन, स्टेट लेवल स्विमर, बैडमिंटन प्लेयर भी हैं मीनाक्षी

मीनाक्षी चौधरी ने चंडीगढ़ के सेंट सोल्जर इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। वह स्टेट लेवल की स्विमर और बैडमिंटन खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। मॉडलिंग से सिनेमा की दुनिया में आने वाली मीनाक्षी ने पंजाब के नेशनल डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, डेरा बस्सी से डेंटल सर्जरी की डिग्री भी ली है।

माधवन ने बताया बॉलीवुड में एक्टर्स क्यों नहीं उठाते जोखिम

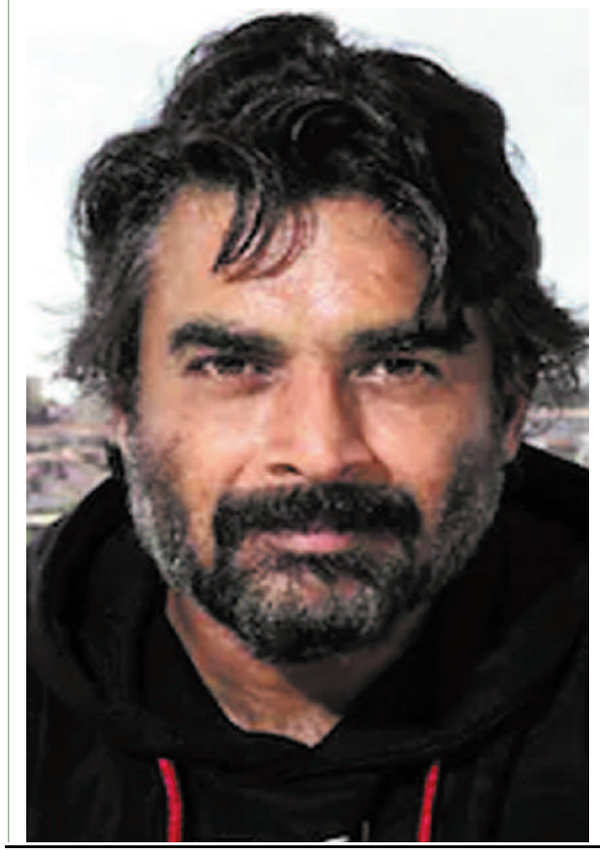

अभिनेता आर माधवन शानदार अभिनय के साथ-साथ अपनी बेबाकी और मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने के लिए भी जाने जाते हैं। अब माधवन ने बॉलीवुड में बचत या सेविंग के अभाव पर बात की है। साथ ही उन्होंने हॉलीवुड में एक्टर्स को मिलने वाली रॉयल्टी का भी जिक्र किया। इस दौरान एक्टर ने शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार्स के प्रोड्यूसर बनने के फैसले पर भी प्रतिक्रिया दी।

मेरी तीन फिल्में ही भर सकतीं पीढ़ियों का पेट

अक्षय राठी के साथ एक इंटरव्यू में आर माधवन ने बॉलीवुड में एक्टर्स के पास पैसों की बचत न हो पाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इनसिक्योरिटी की वजह से अभिनेता जोखिम उठाने से बचते हैं। हॉलीवुड में क्योंकि सितारे अपने पिछले काम के लिए लगातार पैसा कमाते रहते हैं, इसलिए वो बड़े जोखिम उठाते हैं। अगर भारत में भी ऐसा ही मॉडल होता, तो मेरी सिर्फ तीन हिट फिल्मों '3 इडियट्स', 'रंग दे बसंती' और 'तनु वेड्स मनु' से ही पीढ़ियों का पेट भरने के लिए पर्याप्त पैसा होता।

ए लिस्ट स्टार्स की सैलरी पर बोले माधवन

स्टार्स की लाइफस्टाइल को लेकर माधवन ने कहा कि सितारे एक खास जीवनशैली के आदी हो जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोग यह समझते हैं कि उन्हें अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च नहीं करना चाहिए। ए-लिस्ट स्टार्स की सैलरी इतनी होती है कि वे जिंदगी भर इसी जीवनशैली को जी सकते हैं।

अगर मैं एक हॉलीवुड अभिनेता होता और मेरे पास इतनी सारी हिट फिल्में होतीं, तो क्या आपको लगता है कि मैं किसी जोखिम भरे प्रोजेक्ट में हाथ डालने से पहले दोबारा सोचता? मैं तुरंत उसमें कूद पड़ता, क्योंकि मुझे पता था कि मेरी आने वाली पीढ़ियों का ध्यान सिर्फ तीन ब्लॉकबस्टर फिल्मों से ही रखा जा सकता है। लेकिन जब आपको पता होता है कि पेंशन नहीं है, लेकिन आपने एक ऐसी जीवनशैली बना ली है जिसे आपको बनाए रखना है, तो आप सोचने लगते हैं, पैसे तो ले लो, पता नहीं कल मिलेगा के नहीं।

इंडस्ट्री में असमान पेमेंट पर कोई नहीं बोलता

माधवन ने कहा कि इंडस्ट्री में असमान पेमेंट अब एक आम बात है, लेकिन कोई भी उसे चुनौती नहीं देना चाहता। क्योंकि उनके पास समय या संसाधन नहीं हैं। जैसे ही बकाया राशि संभव होगी, मुझे यकीन है कि हर कोई इसमें शामिल होना चाहेगा क्योंकि तब आप अपनी पसंद का काम कर सकते हैं।

शाहरुख के प्रोड्यूसर बनने पर कही ये बात

अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही शाहरुख खान के ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए प्रोड्यूसर बनने का फैसला क्या समझदारी भरा कदम था? यह पूछे जाने पर माधवन ने कहा कि सभी के लिए एक जैसा दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा सकता। सितारों का एक वर्ग तो ऐसा कर सकता है, लेकिन इंडस्ट्री के निचले तबके के लोगों के पास उतना पैसा नहीं होता और न ही उतनी आर्थिक सुरक्षा होती है। अगर आपको दो अंकों का वेतन मिल रहा है, तो उन पर लागू होने वाले नियम अलग होते हैं, क्योंकि उन्होंने अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।